website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 254 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 22 अगस्त 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

देश का सबसे चौड़ा सिक्स लेन पुल

यहां नीचे चलेंगे जहाज

बिहार में गंगा नदी पर बना,पीएम 22 अगस्त को करेंगे उद्घाटन

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 अगस्त को गंगा नदी पर बने बिहार के पहले सिक्स लेन पुल औंटा (मोकामा)-सिमरिया (बेगूसराय) का उद्घाटन करेंगे। यह पुल उत्तर बिहार और पटना के बीच सीधा संपर्क स्थापित करेगा। यह देश का सबसे चौड़ा सिक्स लेन पुल है। औंटा-सिमरिया पुल की चौड़ाई 34 मीटर है, जो सामान्य छह लेन पुल (29.5 मीटर) से 4.5 मीटर अधिक है। इसकी वजह से एक साथ ज्यादा वाहन आसानी से गुजर सकेंगे।

पथ निर्माण विभाग के मुताबिक, यह देश के सबसे चौड़े सिक्स लेन पुलों में शामिल है। यह एक एक्सपैंशन केबल ब्रिज है, जिसके नीचे से बड़े मालवाहक जहाज भी गुजर पाएंगे। एप्रोच रोड सहित पुल की कुल लंबाई 8.150 किमी है, जबकि गंगा पर मुख्य पुल की लंबाई 1.865 किमी है। इस प्रोजेक्ट पर 1871 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। इसकी परिकल्पना पथ निर्माण विभाग के पूर्व प्रधान सचिव और मौजूदा मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने 2015 में बिहार पैकेज के तहत इस पुल की घोषणा की थी और 2017 में शिलान्यास किया था। यह पुल पुराने दो लेन के राजेंद्र सेतु के समानांतर बनाया गया है। नए पुल से भारी वाहनों की आवाजाही तेज और आसान होगी, ईंधन की बचत होगी और उत्तर बिहार के कई जिलों का पटना से सीधा संपर्क हो जाएगा। इसके साथ ही बख्तियारपुर-मोकामा चार लेन सड़क का उद्घाटन भी किया जाएगा। औंटा-सिमरिया पुल बिहार की पहली परियोजना है जो हैम (हाइब्रिड एन्यूटि मॉडल) में बनी है। इसमें निर्माण करने वाली कंपनी 60 फीसदी खर्च वहन करती है और सरकार केवल 40 फीसदी देती है। गंगा नदी पर कच्ची दरगाह-बिदुपुर और शेरपुर-दिघवारा के बीच भी छह लेन पुल बन रहे हैं।

● अब दागी 'पीएम-सीएम' को हटाने वाला बिल लाई सरकार ● गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में किया पेश

विपक्ष ने किया जमकर हंगामा

जेपीसी में भेजा जाएगा, पांच साल+ सजा वाले अपराध में किया जाएगा लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में 3 बिल पेश किए। इसमें यह प्रावधान है कि प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री या कोई भी मंत्री किसी ऐसे क्राइम में अरेस्ट या 30 दिन की हिरासत में रहता है, जिसकी सजा 5 साल या उससे ज्यादा हो तो उसे पद छोड़ना पड़ेगा।

ये तीनों बिल हैं...गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज (संशोधन) बिल 2025। 130वां संविधान संशोधन बिल 2025। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) बिल 2025। तीनों विधेयकों के खिलाफ लोकसभा में जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष ने तीनों बिलों को वापस लेने की मांग की। विपक्ष ने गृह मंत्री के ऊपर कागज के

गोले फेंके। कांग्रेस और असदुद्दीन ओवैसी ने विरोध जताया। सपा ने बिलों को न्याय विरोधी, संविधान विरोधी बताया। इस पर शाह ने बिलों को संयुक्त संसदीय समिति को भेजने की मांग की। दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने 6 महीने और तमिलनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी ने 241 दिनों तक हिरासत और जेल में रहने के बाद अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया था। केजरीवाल तो पद पर रहते गिरफ्तार होने वाले पहले सीएम थे।

मैंने गिरफ्तारी से पहले दे दिया था अपने पद से इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने तीन बिल पेश किए। इसमें कंस्टीट्यूशन अमेंडमेंट बिल 2025 भी पेश किया। इस बिल का विपक्षी सांसद जोरदार विरोध कर रहे हैं। इसी दौरान केरल के अलझुपा से कांग्रेस सांसद के सी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि जब अमित शाह गुजरात के गृह मंत्री थे अपने ऊपर आरोप लगने के बाद भी नैतिकता का पालन नहीं किया था। उनके इस आरोप पर शाह बिफर गए और उन्हें पूरी बात बताई। वेणुगोपाल को टोकते हुए अमित शाह अपनी जगह से उठे। उन्होंने कहा कि मुझे सुनो जरा, मुझे सुनो ना.. पहले बैठ जाओ। मैं रिकॉर्ड साफ करना चाहता हूं कि मुझ पर झूठे आरोप लगाए गए थे। मैंने नैतिकता के मूल्यों का हवाला देकर इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि मैंने अरेस्ट होने से पहले अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। शाह ने कहा कि जबतक मैं कोर्ट से निर्दोष साबित नहीं हो गया तब तक मैंने कोई पद ग्रहण नहीं किया।

एनसीईआरटी ने ऑपरेशन सिंदूर पर मॉड्यूल जारी किया

● क्लास 3-12 के सप्लीमेंट्री मटेरियल में किया गया है शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर पर एनसीईआरटी (नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग) ने दो स्पेशल मॉड्यूल जारी किए हैं। इन्हें क्लास 3 से 12 तक के छात्रों के लिए सप्लीमेंट्री मटेरियल के तौर पर शामिल किया गया है। मॉड्यूल में बताया गया है

कि पाकिस्तान भले ही पहलगाम आतंकी हमले में किसी भी तरह से शामिल होने से इनकार करता है, लेकिन यह हमला पाकिस्तान की सैन्य और राजनीतिक लीडरशिप के सीधे आदेश पर हुआ था। ये मॉड्यूल स्कूली बच्चों के बीच भारत की सैन्य शक्ति के बारे में जागरुकता बढ़ाने के मकसद से बनाए गए हैं। क्लास 3 से 8 के लिए मॉड्यूल का टाइटल ऑपरेशन सिंदूर-वीरता की गाथा और 9 से 12 तक के लिए मॉड्यूल का टाइटल ऑपरेशन सिंदूर- सम्मान और बहादुरी का मिशन है। एनसीईआरटी के स्पेशल मॉड्यूल रेगुलर कोर्स का हिस्सा नहीं होते। इसे कोई खास टॉपिक बच्चों को समझाने के लिए सप्लीमेंट्री मटेरियल के तौर पर तैयार किया जाता है। इसे वाद-विवाद के जरिए बच्चों को पढ़ाया जाता है।

शशि थरूर ने फिर पकड़ी कांग्रेस से अलग राह

दागी पीएम-सीएम और मंत्रियों वाले बिल को बताया सही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कई मौकों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करने और पार्टी लाइन से हटकर बयान देने वाले कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर अपनी पार्टी लाइन से हटकर बड़ा बयान दिया है। थरूर ने दागी मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और मंत्रियों को जबरन हटाने संबंधी प्रस्तावित बिल का समर्थन किया है।

थरूर ने कहा, अगर आप 30 दिन जेल में बिताएं, तो क्या आप मंत्री बने रह सकते हैं। यह सामान्य ज्ञान की बात है... मुझे इसमें कुछ भी गलत नहीं लगता।

थरूर ने कहा कि अगर इस बिल को अध्ययन के लिए समिति के पास भेजा जाता है, तो यह अच्छी बात होगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि समिति के भीतर चर्चा होना हमारे लोकतंत्र के लिए अच्छा है... तो चलिए, इस पर चर्चा करते हैं। कांग्रेस के साथ अपने संबंधों को लेकर दोराहे पर खड़े शशि थरूर ने सोमवार को भी तब सभी लोगों को चौंका दिया था, जब उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला पर संसद में विशेष चर्चा में शामिल न होने के लिए कांग्रेस पर कटाक्ष किया।

10वीं के छात्र की चाकू मारकर हत्या

● 8वीं क्लास के स्टूडेंट ने दिया है वारदात को अंजाम ● भीड़ ने प्रिंसिपल और स्टाफ को पीटा

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद में सेवेंथ डे स्कूल में 8वीं कक्षा के एक छात्र ने 10वीं कक्षा के एक छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी। वारदात मंगलवार दोपहर की है। देर शाम अस्पताल में उसकी मौत हो गई। इस घटना से गुस्साए करीब 2 हजारों लोगों की भीड़ ने बुधवार सुबह स्कूल का घेराव कर जमकर तोड़फोड़ की। प्रिंसिपल समेत पूरे स्टाफ को पीटा। सिंधी

समुदाय के लोग, बजरंग दल, विहिप और एबीवीपी के कार्यकर्ता बुधवार सुबह स्कूल पहुंचे। स्कूल पहुंचते ही लोगों ने पहले तो स्कूल के बाहर खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़ शुरू कर दी। इसके बाद रेलिंग कूदकर स्कूल के अंदिर दाखिल हो गए। अंदर घुसते ही लोगों ने गार्ड, बस ड्राइवर्स को पीटना शुरू कर दिया। गुस्साई भीड़ ने पार्किंग में खड़ी बसों, कारों और दोपहिया वाहनों में भी जमकर तोड़फोड़ की।

भारत पर प्रतिबंध का मकसद रूस पर दबाव बनाना

● अमेरिका बोला-इससे यूक्रेन जंग रोकने में मिलेगी मदद

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने रूस पर दबाव बनाने के लिए भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लीविट ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। इससे पहले तक ट्रम्प प्रशासन रूस से तेल लेने पर भारत के खिलाफ की गई आर्थिक कार्रवाई को पैनल्टी या

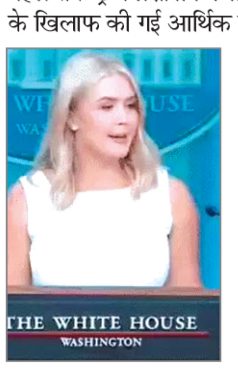

टैरिफ बताता रहा है। ट्रम्प ने भारत पर अब तक कुल 50 टैरिफ लगाने का फैसला किया है। इसमें 25 फीसदी रेसीप्रोकल यानी जैसे को तैसा टैरिफ और रूस से तेल खरीदने पर 25 फीसदी पैनल्टी है। रेसीप्रोकल टैरिफ 7 अगस्त से लागू हो गया है, जबकि पेनल्टी 27 अगस्त से लागू होगी। लीविट के मुताबिक इसका मकसद रूस पर सेकेंडरी प्रेशर डालना है, ताकि वह युद्ध खत्म करने पर मजबूर हो। उन्होंने कहा- लीविट ने दावा किया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाक संघर्ष को रोकने में ट्रम्प ने अहम भूमिका निभाई थी। ट्रम्प ने व्यापार को हथियार की तरह इस्तेमाल कर इस संघर्ष को खत्म कराया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर सीएम हाउस में हमला

● सिर पर लगी गंभीर चोट,आरोपी गुजरात का है रहने वाला ● बड़ा है दावा- बंगले की रेकी की, सीसीटीवी में भी दिखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार सुबह सीएम आवास में जनसुनवाई के दौरान हमला हुआ। दिल्ली सीएम ऑफिस ने बयान में कहा, आज जनसुनवाई के दौरान एक व्यक्ति ने मुख्यमंत्री पर हमला किया। उसे दिल्ली पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ की जा रही है। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा- आरोपी ने सीएम का हाथ पकड़कर खींचा। वे मेज के कोने से टकराईं। सिर पर चोट आई है। मीडिया में चल रही थप्पड़ वाली बात गलत है। दिल्ली पुलिस ने आरोपी पर अटेम्प्ट टू मर्डर (हत्या की कोशिश) का केस दर्ज किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपी को आज ही कोर्ट में पेश भी किया जाएगा। आरोपी का नाम राजेशभाई खीमजीभाई सकरिया (41) है। वह गुजरात के राजकोट का रहने वाला है। मंत्री प्रवेश वर्मा ने दावा किया है कि आरोपी 24 घंटे से सीएम की रेकी कर रहा था। इधर, घटना के बाद दिल्ली के मुख्य सचिव और कई मंत्री रेखा गुप्ता का हालचाल जानने सीएम हाउस पहुंचे। यहीं पर सीएम का इलाज चल रहा है। सोशल मीडिया में सीसीटीवी भी वायरल हो रहा है। इसमें खीमजीभाई 19 अगस्त को सीएम के शालीमार बाग निवास का रेकी करता हुआ दिख रहा है। दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा- दिल्ली को एक ऐसी मुख्यमंत्री मिली है जो रोजाना अपने आवास पर जनसुनवाई कर रही हैं। दिल्ली-एनसीआर से रोजाना 1000-2000 लोग सीएम के पास आते थे। आज जो हुआ वह बेहद निंदनीय है।

मऊ एमएलए अब्बास अंसारी की नहीं जाएगी विधायकी

भड़काऊ भाषण मामले में हाईकोर्ट ने रद्द की 2 साल की सजा

मऊ (एजेंसी)। यूपी की मऊ सदर सीट से सुभासपा विधायक और मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को बड़ी राहत मिली है। भड़काऊ भाषण के मामले पर उनकी विधायकी नहीं जाएगी। निचली अदालत के फैसले पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। एमपी-एमएलए कोर्ट की तरफ से 2 साल की सजा को उच्च अदालत ने रद्द कर दिया है। इसका मतलब है कि अब मऊ सदर विधानसभा सीट पर उपचुनाव नहीं होगा। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अब्बास अंसारी को सजा का फैसला रद्द कर दिया है। इस बारे में 30 जुलाई को फैसला सुरक्षित रखा गया था। अब

उनकी विधायक की बहाल हो जाएगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हेट स्पीच के मामले में हुई सजा स्थगित कर दी थी। आज इसका फैसला न्यायमूर्ति समीर जैन ने दिया है। उल्लेखनीय है कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से मऊ सदर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से एमएलए रहे अंसारी ने 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद समाजवादी पार्टी के सत्ता में आने पर राज्य सरकार के अधिकारियों को परिणामों की धमकी दी थी। इस मामले में ट्रायल के बाद मऊ की स्पेशल कोर्ट एमपी/एमएलए कोर्ट ने अब्बास अंसारी को आईपीसी की धारा 153-ए (विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 189 (सार्वजनिक सेवक को चोट पहुंचाने की धमकी) के तहत अपराध के लिए कैद की सजा सुनाई थी।

इंदौर टू काठमांडू... दोस्त के साथ मिलकर ढाबे पर की भागने की प्लानिंग

सुलझ गई वकील अर्चना तिवारी की 'मिसिंग मिस्ट्री'

भोपाल (एजेंसी)। अर्चना तिवारी को लेकर पुलिस भोपाल आ गई है। इसके बाद रेल एसपी राहुल लोढ़ा ने मीडिया से बात की है। इस मामले में कोई लव एंगल नहीं सामने आया है। अर्चना तिवारी शादी तय होने की वजह से नाराज थी और घर से भाग गई। इस मामले में दो लोगों ने उसकी मदद की थी। एक सारांश जोगचंद है, जो ड्रोन का बिजनेस करता है। एसपी ने कहा कि परिवार के लोग शादी का दबाव बना रहे थे लेकिन वह इसके लिए तैयार नहीं थी। इसे लेकर परिवार में बहसबाजी भी हुई थी। दरअसल, अर्चना तिवारी सिविल जज की तैयारी के साथ-साथ कोर्ट में प्रैक्टिस भी करती थी। छह अगस्त को वह केस के सिलसिले में हरदा गई थी। हरदा के पास ही एक ढाबे पर अर्चना तिवारी, सारांश जोगचंद और

तेजिंदर सिंह ने प्लानिंग की थी। वहां पर इनलोगों ने प्लान किया कि हमें कैसे भागना है। इसके बाद अर्चना ने चलती ट्रेन से भागने का फैसला किया ताकि लोग समझें कि मिसिंग है। वह खुद भी वकील थी और जानती थी कि जीआरपी में केस दर्ज होगा। पुलिस के अनुसार इस केस में शामिल तेजिंदर एक ड्राइवर है। तेजिंदर सारांश के जरिए ही अर्चना तिवारी को जानता था। इस दौरान उसने ही बताया कि इटारसी रेलवे स्टेशन पर कैमरे नहीं हैं। वही से मैं इसे लेकर चला जाऊंगा। सारांश शुजालरपुर का रहने वाला है। वह इंदौर अप डाउन करता है। वहीं, भागने के दौरान सारांश ने उसके लिए नए कपड़े खरीदे। फिर अपनी एसयूवी से नर्मदापुरम पहुंचा, वहां उसे तेजिंदर मिला। ट्रेन में अर्चना तिवारी को तेजिंदर ने कपड़े दिए। इसके बाद वह कपड़े चेंज कर इटारसी में ए-2 कोच से बाहर निकली ताकि उसे कोई पहचान नहीं सके।

शादी नहीं करना चाहती थी इसलिए भागी

पुलिस ने बताया कि अर्चना तिवारी अभी शादी नहीं करना चाहती थी। घर के लोग काफी दबाव बना रहे थे। लोग कह रहे थे कि तुम अब सामान लेकर आ जाओ लेकिन अर्चना अभी करियर बनाना चाहती थी। घटना से पहले परिवार ने इसकी शादी एक तहसीलदार के साथ फिक्स कर दी थी। वह इंदौर के कौटिल्य अकादमी में पढ़ाई कर रही थी। इस दौरान इटारसी से अर्चना तिवारी शुजालपुर पहुंची और गाड़ी से नहीं उतरी। इस दौरान इन लोगों ने ख्याल रखा कि रास्ते में कोई सीसीटीवी कैमरा और टोल नाके नहीं मिले। यहां इंदौर स्थित ऑरबिट मॉल पहुंचे, जहां से नया मोबाइल खरीदा। मीडिया में खबरें चलने के बाद ये लोग बाहर जाने की तैयारी करने लगी। सबसे पहले ये लोग इंदौर से बुरहानपुर गए, वहां से हैदराबाद की बस पकड़ी। इसके बाद दो दिन एक रात हैदराबाद में रुके। मामला जब ज्यादा तूल पकड़ने लगा तो इन लोगों ने भारत छोड़ने का फैसला किया। इसके बाद बस पकड़कर जोधपुर पहुंचे और जोधपुर से दिल्ली पहुंचे।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

राजनीतिक दल खुद भी करें दागियों को बाहर

हमारे संविधान निर्माताओं ने जिस लोकतांत्रिक ढांचे की परिकल्पना की थी, उसमें यह विश्वास निहित था कि जनता का प्रतिनिधित्व करने वाले जनप्रतिनिधि न केवल ईमानदार होंगे बल्कि उनके आचरण में भी शुचिता दिखाई देगी। लेकिन विडंबना यह है कि आजादी के सात दशकों बाद भी भारतीय राजनीति में दागी नेताओं का प्रभाव लगातार बना हुआ है। गंभीर आपराधिक मामलों में संलिप्त नेता न केवल चुनाव लड़ते हैं बल्कि सत्ता के सर्वोच्च पदों तक पहुंच जाते हैं। यह स्थिति लोकतंत्र की उस मूल भावना पर आघात करती है जो जनता के विश्वास और नैतिक मूल्यों पर टिकी हुई है। इसी चिंता को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने लोकसभा में एक संविधान संशोधन विधेयक पेश किया है, जिसका उद्देश्य है गंभीर आपराधिक मामलों में संलिप्त नेताओं को सत्ता से दूर रखना। विधेयक में यह प्रावधान किया गया है कि यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या कोई मंत्री ऐसे अपराध में गिरफ्तार होता है जिसमें पांच साल या उससे अधिक की सजा का प्रावधान है और वह तीस दिन तक जेल में रहता है, तो उसे पद से हटाना अनिवार्य होगा। इसके लिए संविधान के अनुच्छेद 75 और 164 में संशोधन का प्रस्ताव रखा गया है। यह पहल लोकतंत्र की शुचिता बनाए रखने की दिशा में सकारात्मक मानी जा सकती है। यदि इसे ईमानदारी से लागू किया गया तो निश्चित ही राजनीति में अपराधीकरण की प्रवृत्ति पर कुछ हद तक अंकुश लगेगा। लेकिन इस विधेयक को लेकर विपक्ष ने भी आक्रोश जताया है। उनका तर्क है कि कहीं यह प्रावधान सत्ता के दुरुपयोग का नया माध्यम न बन जाए। राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के चलते झूठे मुकदमे दर्ज कर नेताओं को फंसाना भारतीय राजनीति में कोई नई बात नहीं है। ऐसे में यह आशंका स्वाभाविक है कि विपक्षी नेताओं को कमजोर करने के लिए इन प्रावधानों का इस्तेमाल किया जा सकता है। यही वजह है कि केवल संविधान संशोधन से ही राजनीति में शुचिता नहीं आएगी। इसकी असली कसौटी राजनीतिक दलों की इच्छाशक्ति है। यदि दल स्वयं यह तय करें कि किसी भी दागी नेता को टिकट नहीं दिया जाएगा, तो जनता के बीच विश्वास बहाल होगा। आज स्थिति यह है कि कई दल जानते-बूझते भी अपराधी छवि वाले व्यक्तियों को चुनावी टिकट देते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि वे अपने प्रभाव और ताकत के दम पर चुनाव जीतकर पार्टी को लाभ पहुंचाएंगे। जब तक यह मानसिकता नहीं बदलेगी, तब तक चाहे जितने भी कानूनी प्रावधान बना दिए जाएं, राजनीति को दागमुक्त करना संभव नहीं होगा। साथ ही, जनता की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। मतदाता अक्सर जाति, धर्म या तात्कालिक लाभ देखकर दागी नेताओं को चुन लेते हैं। अगर जनता यह ठान ले कि किसी भी आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवार को वोट नहीं देंगे, तो राजनीतिक दलों को भी मजबूरन साफ-सुथरे उम्मीदवार सामने लाने होंगे। इस विधेयक ने एक बहस को जन्म दिया है और यह बहस जरूरी भी है।

इकोनॉमी : रेटिंग्स अक्सर पूरी कहानी नहीं बतातीं, खासकर भारत जैसे उभरते देशों के लिए

-सॉवरेन रेटिंग क्या होती है और क्यों है अहम?

किसी व्यक्ति की तरह ही देशों की भी एक "क्रेडिट हिस्ट्री" होती है। जैसे व्यक्ति का अच्छा क्रेडिट स्कोर बैंक और वित्तीय संस्थानों को यह भरोसा दिलाता है कि वह समय पर कर्ज चुकाएगा, वैसे ही किसी देश की सॉवरेन रेटिंग यह बताती है कि उस देश की सरकार और कंपनियां अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को कितनी मजबूती से निभा सकती हैं। लेकिन समस्या यह है कि यह स्कोर हमेशा पूरी तस्वीर नहीं दिखाता। खासकर भारत जैसे विशाल और उभरते देशों के लिए, जहां विकास की गति, सामाजिक संरचना और राजनीतिक स्थिति पश्चिमी मानकों से अलग है। हाल ही में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स (S&P Global Ratings) ने भारत की दीर्घकालिक सॉवरेन रेटिंग को BBB- (बीबीबी माइनस) से बढ़ाकर BBB (बीबीबी) कर दिया है। साथ ही भारत की आर्थिक संभावनाओं को स्टेबल आउटलुक यानी "स्थिर दृष्टिकोण" भी बताया है। दिलचस्प बात यह है कि भारत की पिछली रेटिंग में सुधार लगभग 18 साल पहले हुआ था। लेकिन क्या यह सुधार भारत की पूरी आर्थिक ताक़त और भविष्य की दिशा को दर्शाता है? क्या रेटिंग एजेंसियां निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करती हैं? या फिर इनमें पश्चिमी देशों की ओर झुकाव दिखाई देता है? यही सवाल इस लेख की बुनियाद हैं।

सॉवरेन रेटिंग क्या होती है?

सॉवरेन रेटिंग किसी देश की "क्रेडिट योग्यता" यानी Credit-worthiness का आकलन है। यह बताती है कि कोई देश विदेशी निवेशकों या अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से लिया गया कर्ज समय पर लौटा पाएगा या नहीं।

रेटिंग का महत्व

विदेशी निवेश आकर्षित करने में मदद – जब किसी देश की रेटिंग ऊंची होती है तो निवेशकों का भरोसा बढ़ता है और पूंजी प्रवाह तेज़ हो जाता है। कर्ज सस्ता मिलता है – उच्च रेटिंग वाले देशों को वैश्विक वित्तीय बाजारों से कम ब्याज दर पर कर्ज मिलता है। आर्थिक छवि मज़बूत होती है – उच्च रेटिंग से यह संदेश जाता है कि देश की वित्तीय स्थिति स्थिर है।

कौन सी एजेंसियां रेटिंग करती हैं?

मूडीज़ (Moody's Investors Service)

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स (S&P Global Ratings)

फिच (Fitch Ratings)

ये तीनों मिलकर वैश्विक स्तर पर सबसे अहम भूमिका निभाती हैं।

भारत की मौजूदा रेटिंग स्थिति

S&P ने भारत को BBB (स्टेबल आउटलुक) दिया है। मूडीज़ की रेटिंग Baa3 (स्टेबल आउटलुक) है। फिच की रेटिंग भी BBB- (स्टेबल आउटलुक) है। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि इन तीनों एजेंसियों ने भारत को इन्वेस्टमेंट ग्रेड यानी "निवेश योग्य श्रेणी" में तो रखा है, लेकिन निचले स्तर पर। इसका मतलब यह है कि भारत को अभी भी कई मामलों में जोखिम भरा माना जा रहा है। जबकि हकीकत यह है कि भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती हुई प्रमुख अर्थव्यवस्था है।

भारत की आर्थिक उपलब्धियां और ग्रोथ स्टोरी

भारत की रेटिंग में मामूली सुधार हुआ है, लेकिन इसकी ग्रोथ स्टोरी कहीं ज्यादा बड़ी है। महामारी के बाद भी मजबूत वृद्धि। कोविड-19 के भयानक दौर के बाद भी भारत ने तेजी से वापसी की। 2022 से 2024 के बीच भारत की औसत जीडीपी ग्रोथ 8.8% रही। यह दर चीन समेत अधिकांश बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से कहीं ज्यादा है।

प्रमुख उपलब्धियां

जनसंख्या लाभांश (Demographic Dividend) – भारत के पास युवा आबादी है जो लंबे समय तक श्रमशक्ति और खपत को बढ़ावा देती रहेगी। टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप्स का हब – भारत IT सेवाओं और स्टार्टअप्स में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इकोसिस्टम है। इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश – सड़क, रेलवे, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और हरित ऊर्जा पर बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार – भारत का फॉरेक्स रिजर्व 600 अरब डॉलर के आसपास है, जो स्थिरता का संकेत देता है। वैश्विक भरोसा – अंतरराष्ट्रीय कंपनियां चीन+1 स्ट्रैटेजी के तहत भारत में निवेश बढ़ा रही हैं।

फिर भी रेटिंग इतनी सीमित क्यों? यहीं सबसे बड़ा सवाल उठता है। जब भारत इतनी तेजी से बढ़ रहा है, तो उसकी रेटिंग ऊंची क्यों नहीं है?

उच्च राजकोषीय घाटा (Fiscal Deficit)

भारत का राजकोषीय घाटा लगभग 5.6% है, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों से ज्यादा है। एजेंसियों को लगता है कि इससे सरकारी कर्ज बढ़ता जाएगा।

बैंकिंग और एनपीए संकट

हालांकि हाल के वर्षों में NPA घटे हैं, लेकिन कभी यह बहुत बड़ी समस्या रही। विदेशी एजेंसियां अभी भी इसे जोखिम मानती हैं।

राजनीतिक और नीतिगत अनिश्चितताएं

भारत जैसे बड़े लोकतंत्र में नीति-निर्माण धीमा होता है। रेटिंग एजेंसियां इसे स्थिरता के लिए खतरा मानती हैं।

गरीबी और असमानता

भारत में गरीबी और बेरोजगारी जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं। यह भी रेटिंग में बाधा डालती हैं।

रेटिंग एजेंसियों पर सवाल

रेटिंग एजेंसियां हमेशा निष्पक्ष नहीं होतीं।

पश्चिमी देशों के प्रति झुकाव

अमेरिका और यूरोपीय देशों को अक्सर "उच्च रेटिंग" मिलती रहती है, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर क्यों न हो। उदाहरण: अमेरिका का कर्ज उसकी GDP से ज्यादा है, फिर भी उसकी रेटिंग भारत से कहीं ऊपर है।

2008 का वित्तीय संकट

याद कीजिए, जब 2008 में अमेरिकी सबप्राइम संकट आया था, तब यही रेटिंग एजेंसियां खराब बांड्स को "AAA" यानी सर्वोच्च रेटिंग दे रही थीं। बाद में पूरी दुनिया मंदी में चली गई।

विकासशील देशों के प्रति संदेह

भारत, चीन, ब्राजील जैसे देशों की वास्तविक क्षमता को रेटिंग में पूरी तरह नहीं झलकाया जाता। कई बार राजनीतिक दबाव या पूर्वाग्रह झलकते हैं।

भारत जैसे देशों के लिए रेटिंग की सीमाएँ

भारत की अर्थव्यवस्था इतनी विशाल और जटिल है कि इसे केवल एक "क्रेडिट स्कोर" में समेटना गलत है।

ग्रोथ क्षमता बनाम मौजूदा आंकड़े

रेटिंग एजेंसियां अक्सर केवल मौजूदा आंकड़ों को देखकर रेटिंग देती हैं। जबकि भारत की ग्रोथ क्षमता कहीं ज्यादा बड़ी है।

सामाजिक-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य

भारत जैसे लोकतंत्र में राजनीतिक हलचलें सामान्य हैं। लेकिन एजेंसियां इन्हें जोखिम मान लेती हैं।

घरेलू बचत और आंतरिक ताक़त

भारत की अर्थव्यवस्था काफी हद तक घरेलू खपत और बचत पर टिकी है। यह बाहरी झटकों को झेल सकती है। लेकिन रेटिंग एजेंसियां इसे पर्याप्त महत्व नहीं देतीं।

निवेशकों का असली भरोसा कहां से आता है?

कई बार निवेशक रेटिंग से ज्यादा "ग्राउंड रियलिटी" देखकर फैसला लेते हैं।

उदाहरण: गूगल, अमेज़न, एप्पल जैसी कंपनियां भारत में अरबों डॉलर का निवेश कर रही हैं। जापान, कोरिया और यूएई जैसे देश भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में निवेश बढ़ा रहे हैं। अगर रेटिंग पर ही भरोसा किया जाए, तो इतने बड़े निवेशक भारत में इतना पूंजी प्रवाह क्यों करते?

भविष्य की दिशा

भारत के लिए जरूरी है कि वह रेटिंग एजेंसियों पर पूरी तरह निर्भर न रहे।

क्या करना होगा?

वित्तीय अनुशासन बनाए रखना – राजकोषीय घाटे को धीरे-धीरे कम करना। बैंकिंग सेक्टर मजबूत करना – एनपीए पर सख्त नियंत्रण और पारदर्शिता। निवेश माहौल आसान करना – Ease of Doing Business सुधार जारी रखना। घरेलू एजेंसियों की विश्वसनीयता बढ़ाना – भारत को अपनी स्वतंत्र रेटिंग प्रणाली मजबूत करनी चाहिए। वैश्विक मंचों पर आवाज़ बुलंद करना – G20 और BRICS जैसे मंचों पर रेटिंग एजेंसियों की निष्पक्षता पर सवाल उठाना। भारत की सॉवरेन रेटिंग में हालिया सुधार एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन यह उसकी पूरी ताक़त को नहीं दर्शाता। सच्चाई यह है कि भारत अब केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति बन चुका है।

"अमेजन नदी: तीन देशों की सीमाओं से परे शिक्षा और संस्कृति को जोड़ती जीवनधारा"

अमेजन नदी दुनिया की सबसे लंबी और सबसे विशाल जलधाराओं में गिनी जाती है। यह केवल एक नदी नहीं बल्कि सभ्यता, संस्कृति और जीवन का वह स्रोत है जिसने हजारों सालों से मानवता को अपने किनारों पर बसाया है। अमेजन नदी के किनारे की दुनिया ऐसी है जहां जंगल अपनी असलियत में सांस लेते हैं, धरती अपनी हरियाली को खुलकर ओढ़े हुए है और इंसान अपने जीवन को प्रकृति के साथ गहराई से जोड़कर जीते हैं। लेकिन अमेजन की कहानी केवल पेड़ों, जानवरों और पानी तक सीमित नहीं है। यह नदी तीन देशों – पेरू, कोलंबिया और ब्राजील – के मिलन का बिंदु भी है। इस जगह का नाम है सांता रोज़ा द्वीप (Santa Rosa Island), जो पेरू के क्षेत्र में आता है। यहां की एक तस्वीर पूरी दुनिया के सामने यह संदेश देती है कि शिक्षा और साझा संस्कृति सीमाओं से कहीं ऊपर है। सांता रोज़ा में स्कूल की छुट्टी के बाद जब बच्चे छोटी-छोटी नावों में बैठकर अपने घर लौटते हैं, तो यह दृश्य देखने वालों के दिलों में गहरी छाप छोड़ देता है। ये बच्चे अलग-अलग देशों के नागरिक हैं, मगर नदी का जल इन्हें जोड़ता है। हर नाव में बैठा बच्चा अपने सपनों, अपने भविष्य और साझा मानवीय मूल्यों का प्रतीक बन जाता है। आइए विस्तार से समझते हैं कि अमेजन नदी कैसे केवल भौगोलिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक और शैक्षिक एकता की धारा भी है।

अमेजन नदी का भौगोलिक महत्व

अमेजन नदी की उत्पत्ति पेरू के एंडीज़ पर्वतों से होती है और यह लगभग 6,400 किलोमीटर की लंबाई तय करते हुए अटलांटिक महासागर में गिरती है। इसका जलप्रवाह इतना विशाल है कि अकेले यह नदी पूरी दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत ताजे पानी की आपूर्ति करती है। अमेजन का जल क्षेत्र नौ देशों में फैला हुआ है – ब्राजील, पेरू, कोलंबिया, बोलीविया, इक्वाडोर, वेनेजुएला, गुयाना, सूरीनाम और फ्रेंच गयाना। लेकिन सांता रोज़ा वाला इलाका खास है क्योंकि यहां तीन बड़े देश मिलते हैं। यह जगह "त्रि-सीमा" (Tri-border) कहलाती है।

सांता रोज़ा द्वीप – शिक्षा और साझा जीवन का केंद्र

पेरू का सांता रोज़ा द्वीप छोटा सा बसा हुआ गांवनुमा इलाका है। यहां की आबादी ज्यादा नहीं है, लेकिन इसकी भौगोलिक स्थिति इसे खास बनाती है। सामने ब्राजील का टाबातिंगा (Tabatinga) शहर है और पास ही कोलंबिया का लेटिसिया (Leticia)। यहां का स्कूल बच्चों के लिए केवल शिक्षा का स्थान नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुल भी है। पढ़ाई के बाद जब बच्चे नावों में बैठकर अपने-अपने घरों की ओर जाते हैं, तो यह साफ दिखाई देता है कि नदी इन्हें अलग नहीं करती बल्कि जोड़ती है।

नदी और शिक्षा का रिश्ता

अमेजन क्षेत्र में शिक्षा आसान नहीं है। यहां गांव बिखरे हुए हैं, सड़कें कम हैं और परिवहन का साधन केवल नाव है। ऐसे में बच्चों के लिए स्कूल तक पहुंचना और पढ़ाई करना अपने आप में चुनौती है। लेकिन यही चुनौती इन्हें मजबूत बनाती है। नदी पार कर स्कूल जाना इन बच्चों के रोज़मर्रा के जीवन का हिस्सा है। किताबों का बोझ उठाए और नाव में बैठकर हंसी-मजाक करते ये विद्यार्थी शिक्षा की उस ताकत का प्रतीक हैं, जो गरीबी, सीमाओं और कठिनाइयों को पार कर सकती है।

तीन देशों की सीमाओं पर सांस्कृतिक मेल

अमेजन नदी केवल भौगोलिक सीमा नहीं है, बल्कि यह तीन अलग-अलग देशों की संस्कृतियों को जोड़ने वाली डोर भी है। पेरू का प्रभाव – यहां की भाषा स्पैनिश है और लोक संगीत व नृत्य बच्चों की ज़िंदगी का हिस्सा है। कोलंबिया की झलक – लेटिसिया के बाज़ारों में कोलंबियाई संस्कृति, खानपान और त्योहारों का रंग मिलता है। ब्राजील का रंग – पुर्तगाली भाषा और ब्राजील की फुटबॉल दीवानगी इस इलाके में भी महसूस की जा सकती है।

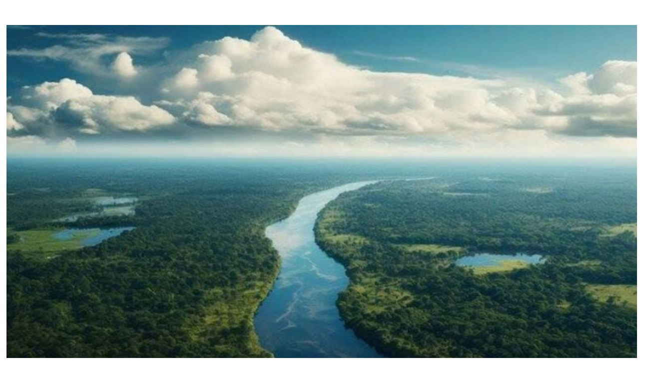

तीनों संस्कृतियां मिलकर सांता रोज़ा और आसपास के इलाके को बहुरंगी बना देती हैं।

साझा जीवन की धारा

जब नाव में बैठा बच्चा स्कूल से घर लौटता है, तो वह सिर्फ किताबें ही नहीं, बल्कि साझा संस्कृति और जीवन का अनुभव भी साथ ले जाता है। नावों में बच्चे अक्सर अलग-अलग देशों के होते हैं – कोई ब्राजील का, कोई कोलंबिया का, कोई पेरू का। फिर भी नदी में बहता पानी यह याद दिलाता है कि इंसान की असल पहचान सीमाओं से नहीं बल्कि उसकी शिक्षा, सपनों और इंसानियत से है।

अमेजन का पर्यावरण और भविष्य की चुनौती

अमेजन केवल शिक्षा का नहीं, बल्कि पर्यावरणीय जीवन का भी केंद्र है। यह दुनिया का सबसे बड़ा वर्षावन (Rainforest) है, जिसे "पृथ्वी के फेफड़े" कहा जाता है। लेकिन वनों की कटाई, खनन और आधुनिकता के दबाव ने इसे खतरे में डाल दिया है। अगर यह नदी और जंगल सुरक्षित नहीं रहे, तो यहां की शिक्षा, संस्कृति और जीवन की धारा भी सूख सकती है। यही कारण है कि सांता रोज़ा जैसे इलाकों के बच्चे पर्यावरण को बचाने की जिम्मेदारी का भी हिस्सा माने जाते हैं।

शिक्षा – उम्मीद की किरण

शिक्षा अमेजन के बच्चों के लिए सिर्फ किताबें पढ़ने का साधन नहीं है, बल्कि गरीबी से निकलने और अपने परिवार व समाज को रोशन करने का जरिया भी है। कोई बच्चा डॉक्टर बनने का सपना देखता है। कोई शिक्षक बनकर अपनी ही बस्ती के बच्चों को पढ़ाना चाहता है। कोई नाव चलाने वाले पिता की मदद कर परिवार को संबल देना चाहता है। इनके सपने यह बताते हैं कि शिक्षा इंसान को केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि बेहतर भविष्य की राह भी दिखाती है।

अमेजन की नावें – जीवन और भविष्य की यात्रा

सांता रोज़ा में नाव सिर्फ पानी का साधन नहीं है। यह बच्चों की शिक्षा और भविष्य की नाव है। हर रोज जब सूरज ढलता है और नावें नदी पर तैरती हैं, तो लगता है जैसे सपनों की छोटी-छोटी नावें विशाल अमेजन के पानी पर सफर कर रही हों।

सीमाओं से ऊपर मानवीय जुड़ाव

तीन देशों की सीमाओं के बीच रहते हुए भी सांता रोज़ा के बच्चों ने यह साबित किया है कि सीमाएं केवल नक्शों पर होती हैं, दिलों में नहीं। ये बच्चे चाहे पेरू के हों, कोलंबिया के हों या ब्राजील के, उनका हंसना, खेलना और साथ में पढ़ना यह दिखाता है कि शिक्षा और संस्कृति हर दीवार को तोड़ सकती है। अमेजन नदी केवल भौगोलिक चमत्कार नहीं है। यह जीवन की धारा है जो तीन देशों को जोड़ती है। सांता रोज़ा के बच्चे इस नदी की सबसे सुंदर कहानी हैं। जब वे नाव में बैठकर स्कूल से घर लौटते हैं, तो यह दृश्य हमें यह याद दिलाता है कि शिक्षा सीमाओं से परे है। इंसान का असली रिश्ता उसकी भाषा, धर्म या देश से नहीं, बल्कि उसके सपनों और सीखने की चाह से है। अमेजन का यह इलाका हमें सिखाता है कि पानी की तरह शिक्षा भी बहनी चाहिए – हर ओर, हर इंसान तक, बिना रुकावट और बिना भेदभाव के।

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद: आज़ादी के पैरोकार और हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रहरी

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अनेक महापुरुषों ने अपने विचारों, संघर्ष और बलिदान से इतिहास रचा। उन्हीं में से एक थे मौलाना अबुल कलाम आज़ाद। वे न केवल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पहले मुस्लिम अध्यक्ष बने, बल्कि उन्होंने अपनी पूरी ज़िन्दगी हिंदू-मुस्लिम एकता और राष्ट्रीय स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दी। पत्रकारिता, लेखन, भाषण और संगठन क्षमता – हर क्षेत्र में उनकी भूमिका अद्वितीय रही। "अल-हिलाल" और "अल-बलाघ" जैसे अख़बारों के माध्यम से उन्होंने अंग्रेज़ी हुकूमत की नींव हिला दी।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद का जन्म 11 नवम्बर 1888 को मक्का (सऊदी अरब) में हुआ। उनके पिता मौलाना खैरुद्दीन एक धार्मिक विद्वान थे और मां अरब की थीं। परिवार 1890 के दशक में भारत आ गया और कोलकाता में बस गया। आजाद बचपन से ही मेधावी थे। उन्होंने पारंपरिक इस्लामी शिक्षा प्राप्त की लेकिन साथ ही अंग्रेज़ी और आधुनिक विज्ञान की किताबें भी पढ़ीं। वे अरबी, फ़ारसी, उर्दू के साथ-साथ अंग्रेज़ी में भी निपुण थे। ग़ज़लें लिखीं, साहित्यिक पत्रिकाओं में लेख भेजे और बहुत जल्दी बौद्धिक दुनिया में उनका नाम छा गया।

स्वतंत्र चिंतन की ओर रुझान

हालांकि वे धार्मिक परिवार से थे, लेकिन उनकी सोच कट्टरता से परे थी। वे इस्लाम की व्याख्या आधुनिक दृष्टिकोण से करते थे और साथ ही हिंदू धर्म के उदार तत्वों को भी समझते थे। युवावस्था में उन्होंने क्रांतिकारी गतिविधियों से भी संपर्क साधा और बंगाल के कई क्रांतिकारियों से मिले। उनके विचारों में राष्ट्रवाद और आज़ादी की तड़प कूट-कूट कर भरी थी।

"अल-हिलाल": विचारों का हथियार

1912 में उन्होंने कोलकाता से "अल-हिलाल" नामक अख़बार शुरू किया। यह अख़बार जल्द ही भारतीय मुसलमानों में क्रांति की चेतना जगाने का प्रमुख साधन बन गया। "अल-हिलाल" में वे ब्रिटिश शासन की नीतियों की आलोचना करते। मुसलमानों से अपील करते कि वे केवल धार्मिक पहचान तक सीमित न रहें बल्कि हिंदू भाइयों के साथ मिलकर आज़ादी की लड़ाई लड़ें। इस अख़बार की भाषा जोशीली, साहित्यिक और क्रांतिकारी थी। ब्रिटिश सरकार इस अख़बार को देशद्रोही मानती थी और अंततः 1914 में इसे बंद कर दिया गया।

"अल-बलाघ": संघर्ष का दूसरा पड़ाव

1915 में मौलाना आज़ाद ने दूसरा अख़बार निकाला – "अल-बलाघ"। इसकी विचारधारा भी वही थी – आज़ादी, राष्ट्रवाद और एकता। "अल-बलाघ" में उन्होंने किसानों, मज़दूरों और आम जनता की समस्याओं को उठाया। अंग्रेज़ी सरकार की आर्थिक नीतियों की आलोचना की। युवाओं को क्रांतिकारी सोच अपनाने की प्रेरणा दी। इस अख़बार की लोकप्रियता भी तेजी से बढ़ी, लेकिन अंग्रेज़ सरकार ने 1916 में इसे भी बंद करवा दिया और मौलाना आज़ाद को नजरबंद कर दिया।

कांग्रेस और नेतृत्व

1916 के लखनऊ अधिवेशन में आज़ाद कांग्रेस में सक्रिय रूप से शामिल हुए। उनकी प्रतिभा और दृष्टिकोण से प्रभावित होकर महात्मा गांधी और अन्य नेताओं ने उन्हें उच्च स्थान दिया। 1923 में वे मात्र 35 वर्ष की आयु में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष बने। यह बड़ी ऐतिहासिक घटना थी क्योंकि वे पहले मुस्लिम अध्यक्ष बने और सबसे कम उम्र के अध्यक्ष भी। आजाद के नेतृत्व में कांग्रेस ने हिंदू-मुस्लिम एकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने साफ कहा – "भारत न हिंदुओं का है, न मुसलमानों का, यह सभी भारतीयों का है।"

हिंदू-मुस्लिम एकता के पैरोकार

मौलाना आज़ाद का सबसे बड़ा योगदान उनकी साम्प्रदायिक सौहार्द की नीति थी। वे मानते थे कि स्वतंत्र भारत तभी सफल होगा जब हिंदू और मुसलमान मिलकर रहेंगे। उन्होंने मुस्लिम लीग की सांप्रदायिक राजनीति का विरोध किया। उन्होंने कहा था

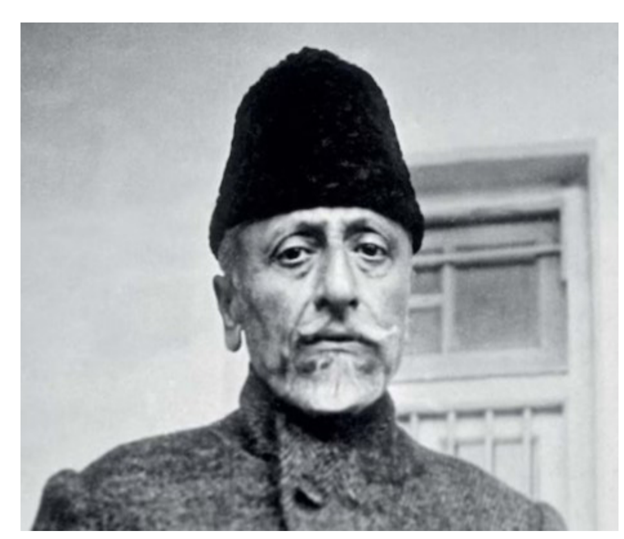

कि पाकिस्तान का विचार भारतीय मुसलमानों को तोड़ देगा और उन्हें कमजोर कर देगा। 1940 के दशक में जब जिन्ना अलग मुस्लिम राष्ट्र की मांग कर रहे थे, मौलाना आज़ाद ने इस सोच को "भारत के भविष्य के लिए खतरनाक" बताया।

गांधी और नेहरू के साथ संबंध

मौलाना आज़ाद, महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के घनिष्ठ सहयोगी रहे। गांधी जी की अहिंसा और सत्याग्रह की नीति को उन्होंने खुले दिल से अपनाया। नेहरू के साथ वे लंबे समय तक कांग्रेस की नीतियों का निर्माण करते रहे। "भारत छोड़ो आंदोलन" (1942) में वे कांग्रेस के अध्यक्ष थे। अंग्रेज़ सरकार ने उन्हें और अन्य नेताओं को गिरफ़्तार कर लिया और लगभग तीन साल तक जेल में रखा।

स्वतंत्रता के बाद भूमिका

आजाद 1947 में भारत की आज़ादी के साक्षी बने। वे बंटवारे के खिलाफ़ थे लेकिन अंततः स्थिति ऐसी बनी कि पाकिस्तान बना। इसके बावजूद उन्होंने मुसलमानों से अपील की कि वे भारत में रहकर राष्ट्र-निर्माण में योगदान दें। स्वतंत्र भारत की पहली सरकार में वे शिक्षा मंत्री बने। उन्होंने देश की शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक स्वरूप देने का बीड़ा उठाया। उन्होंने यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (UGC) की स्थापना की। आईआईटी (IITs) की नींव रखी। भारतीय साहित्य, कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए साहित्य अकादमी, संगीत नाटक अकादमी, ललित कला अकादमी की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी मान्यता थी – "भारत का असली विकास तभी संभव है जब शिक्षा हर नागरिक तक पहुंचे।"

साहित्यिक योगदान

मौलाना आज़ाद न केवल नेता थे बल्कि महान लेखक और चिंतक भी। उनकी आत्मकथा "इंडिया विन्स फ्रीडम" स्वतंत्रता संग्राम का एक प्रामाणिक दस्तावेज़ है। उनकी लेखनी उर्दू साहित्य की अनमोल धरोहर मानी जाती है। उन्होंने धार्मिक और दार्शनिक विषयों पर भी गहन लेख लिखे।

सम्मान और विरासत

मौलाना आज़ाद को 1992 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया। 11 नवम्बर को उनकी जयंती को पूरे भारत में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनकी विरासत आज भी हमें यह सिखाती है कि धर्म से ऊपर उठकर राष्ट्र के लिए सोचना ही सच्चा देशभक्ति है। मौलाना अबुल कलाम आज़ाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन महान सपूतों में हैं जिनकी छवि हमेशा "हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रहरी" के रूप में याद की जाएगी। उन्होंने अख़बारों से, भाषणों से और अपने अदम्य साहस से यह संदेश दिया कि – "हम सबका भारत एक है और इसे मिलकर ही संवारना है।"

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की महत्वपूर्ण पहल प्रदेश में स्थापित होगी 'लैंग्वेज लैब'

-युवाओं के लिए विदेशों में नौकरी की राह होगी आसान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश के युवाओं की प्रतिभा को अंतर्राष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने की दिशा में प्राथमिकता से कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री का मानना है कि युवाओं को सही दिशा देकर उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जा सकता है। साथ ही, युवाओं को सशक्त बनाकर ही विकसित राजस्थान की परिकल्पना को साकार किया जा सकेगा। इसी दिशा में राज्य सरकार की पहल पर प्रदेश में इंग्लिश एण्ड फॉरेन लैंग्वेज यूनिवर्सिटी (EFLU) और केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा 'लैंग्वेज लैब' स्थापित की जाएगी। लैंग्वेज लैब में युवाओं को अंग्रेजी, फ्रेंच, स्पैनिश, जापानीज जैसी विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे इन भाषाओं में पारंगत बन सकें और उनके लिए विदेशों में रोजगार की राह प्रशस्त हो सके।

विदेशों में मिलेंगे रोजगार के अवसर

लैंग्वेज लैब में युवाओं को मिलने वाले विदेशी भाषाओं के प्रशिक्षण से उनके कौशल में बढ़ौतरी होगी। यह पहल युवाओं को विदेशों के साथ ही देश में भी पर्यटन, व्यापार, आईटी, शिक्षा और सेवा क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने में कारगर साबित होगी। उल्लेखनीय है कि राज्य में औद्योगिक परिदृश्य को नए आयाम देने के लिए राज्य सरकार द्वारा गत वर्ष राइजिंग राजस्थान ग्लोबल निवेश समिट का आयोजन किया गया था। इस समिट के दौरान राज्य सरकार एवं विभिन्न उद्यमियों के बीच लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। समिट के दौरान विभिन्न बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने प्रदेश के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में रूचि दिखाई थी। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में लैंग्वेज लैब स्थापित की जा रही है। विदेशों में युवाओं को नौकरी प्रदान करने की दिशा में यह एक सशक्त कदम साबित होगा।

शिक्षा के लिए अभूतपूर्व कदम- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों से केन्द्रीय शिक्षा मंत्री से मिली सहमति

-शिक्षा के उन्नयन एवं विकास के लिए राजस्थान को मिलेंगे 3 हजार 200 करोड़ रुपये

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश में हर बच्चे को सुलभ, आधुनिक और समावेशी शिक्षा उपलब्ध कराने तथा शिक्षा के उन्नयन, विकास एवं सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। इस क्रम में मुख्यमंत्री शर्मा के प्रयासों से केन्द्र सरकार ने समग्र शिक्षा, राजस्थान के लिए 3 हजार 200 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। शर्मा द्वारा हाल ही में नई दिल्ली में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से मुलाकात के दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 में समग्र शिक्षा, राजस्थान के लिए केन्द्रीय अंश की राशि शीघ्र जारी करने का अनुरोध किया गया था। इस संबंध में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने समग्र शिक्षा अभियान के अन्तर्गत 3 हजार 200 करोड़ रुपये राज्य को देने के लिए सहमति प्रदान की है। साथ ही, इस राशि की प्रथम किस्त शीघ्र जारी करने का आश्वासन भी दिया है। मुलाकात के दौरान शर्मा ने समग्र शिक्षा के तहत राज्य में शिक्षा विभाग की प्रगति, नीति एवं भविष्य में किये जाने वाले कार्य के सम्बन्ध में भी केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को जानकारी दी। केन्द्र से प्राप्त इस राशि से कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय विद्यालय में विभिन्न कार्य, विद्यालयों में निर्माण एवं मरम्मत कार्य, व्यावसायिक शिक्षा, आईसीटी एवं डिजिटल लैब, निपुण भारत, सामुदायिक गतिशिलता, नवाचार, समग्र शिक्षा की मॉनिटरिंग से संबंधित विभिन्न कार्य कराए जाएंगे। इससे प्रदेश में शिक्षा के आधारभूत ढ़ांचे को और अधिक सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा का दिल्ली दौरा

-राजस्थान में चिकित्सा सेवाओं और शिक्षा के विकास को लेकर केंद्रीय मंत्री के साथ चर्चा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बुधवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव से मुलाकात कर विभागीय विषयों पर विस्तृत चर्चा की। उपमुख्यमंत्री ने दिल्ली में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित सोसाइटी के द्वितीय उपवेशन में सम्मिलित होकर विभागीय विषयों पर केन्द्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की अध्यक्षता में विस्तृत चर्चा की तथा उपस्थित जनों को संबोधित किया। इस दौरान आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के सुदृढ़ीकरण, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार तथा अनुसंधान कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में विचार-विमर्श हुआ। बैठक में केन्द्रीय आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, वित्तीय सलाहकार अब्बास, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा सहित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारीगण, एनआईए सोसाइटी के सदस्यगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने संस्थान द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि हम आशा व्यक्त करते हैं कि आयुष मंत्रालय के मार्गदर्शन में यह संस्थान आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की बड़ी कार्रवाई

-3 हजार 500 रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 4 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में बुधवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर कार्यवाही करते हुये लाल कोठी मण्डी, सहकार मार्ग, किसान भवन,खिरनी फाटक से कनकपुरा फाटक आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण तथा स्थाई कारवाई में बने विहार कॉलोनी, शांति नगर कॉलोनी एवं कल्याण कुंज कॉलोनी झोटवाड़ा से विद्याधर नगर जोन टीम के साथ संयुक्त कारवाई में अवैध स्थाई, अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 3 हजार 500 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 4 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर कार्यवाही करते हुये लाल कोठी मण्डी, सहकार मार्ग, किसान भवन,खिरनी फाटक से कनकपुरा फाटक आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण तथा स्थाई कारवाई में बने विहार कॉलोनी, शांति नगर कॉलोनी एवं कल्याण कुंज कॉलोनी झोटवाड़ा से विद्याधर नगर जोन टीम के साथ संयुक्त कारवाई में अवैध स्थाई, अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 4 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 3 हजार 500 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत उद्योग लगाने पर पाएं 35 प्रतिशत अनुदान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत केन्द्र सरकार द्वारा संचालित की जा रही हैं जिसमें खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में उद्योग लगाने वाले नए एवम् मौजूदा उद्यमियों द्वारा वर्तमान में स्थापित औद्योगिक इकाई में विस्तार करने पर योग्य परियोजना लागत का 35 प्रतिशत या 10 लाख रुपये (दोनों में से जो न्यूनतम हो) अनुदान दिया जाता है। प्रार्थी को आवेदन हेतु निःशुल्क सहायता देने हेतु इस योजना में जिले में डी.आर.पी. नियुक्त किये हुए हैं। जो प्रार्थी को आवेदन व ऋण संबंधी सभी जानकारियाँ देने में सहायता कर रहे हैं। इस योजना के तहत माह जून 2020 के पश्चात लगने वाले फलों और सब्जियों के उत्पाद, अनाज और दालों के उत्पाद, दुग्ध उत्पाद, तिलहन उत्पाद, पशु आहार, बेकरी उत्पाद व अन्य खाद्य उत्पाद जैसें साबुदाना, हींग आदि प्रकृति के उद्योग या वर्तमान इकाई में विस्तार करने पर अनुदान देय है। योजना के तहत अनुदान हेतु आवेदन MOFPIPMFME Portal पर ऑनलाईन करना होगा। इस योजना की स्टेट नोडल एजेन्सी, राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड, जयपुर है तथा जयपुर जिले की नोडल एजेन्सी कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज), जयपुर है। अधिक जानकारी के लिए इस योजना की स्टेट नोडल एजेन्सी, राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड, जयपुर के हेल्पलाईन नम्बर 9829026990 तथा जयपुर जिले की नोडल एजेंसी कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज), जयपुर के हेल्पलाईन नम्बर 9829588641 पर सम्पर्क कर सकते है। उक्त योजना में औद्योगिक इकाई की परियोजना लागत में भूमि की लागत शामिल नहीं होगी तथा तकनीकी सिविल वर्क भी योग्य परियोजना लागत के 30 प्रतिशत से अधिक नहीं होने चाहिए

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने उत्तर प्रदेश में किया 73 वें प्रभु झूलेलाल महोत्सव का शुभारम्भप

-देवनानी ने की उत्तनर प्रदेश की राज्यिपाल पटेल से मुलाकात

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, संत साई नितिन राम और सिंधु सेवा समिति(रजि.) के अध्यक्ष एवं उत्तवर प्रदेश के पूर्व मंत्री अमृत राजपाल ने अयोध्यान में प्रभु झूलेलाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण और प्रभु झूलेलाल की आरती के साथ दीप प्रज्व्ा लन करके 73 वें प्रभु झूलेलाल महोत्सव का शुभारम्भक किया। कार्यक्रम के मुख्यक अतिथि देवनानी का शॉल ओढाकर व पुष्प गुच्छ व पाखर भेंट कर अभिनंदन किया। इस मौके पर देवनानी ने स्नातक और परास्नातक में उत्कृाष्टा युवाओं को प्रमाण पत्र और स्मृदति चिन्हम भेंट कर पुरस्कृत किया। देवनानी ने कहा कि अयोध्या एक नगर के साथ आध्यात्म और मर्यादा की पावन स्थली है। यहाँ भगवान श्रीराम ने सत्य और त्याग का संदेश दिया, वहीं प्रभु झूलेलाल ने समाज को साहस, न्याय और एकता की राह दिखाई। समाज के इन दोनों आदर्शों ने आध्यात्मह और संस्कृति को नई दिशा दी। देवनानी ने कहा कि सिंधी समाज ने विभाजन का दुःख सहने के बाद भी अपनी संस्कृति को जीवित रखा। आज भी सिंधी समाज अपने परिश्रम, सेवा और संस्कार की पहचान से पूरे भारत और विश्व में गौरव बढ़ा रहा है। देवनानी ने कहा कि यह महोत्सव हमें याद दिलाता है कि ज्ञान हमारा हथियार है, संस्कृति हमारी पहचान है और समाज सेवा हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। आज जब दुनिया हिंसा और तनाव से जूझ रही है, तब झूलेलाल का संदेश सत्य पर डटे रहो, न्याय का साथ दो और सबको एक मानो और भी प्रासंगिक हो गया है। उन्होंने प्रभु झूलेलाल से आशीर्वाद की कामना करते हुए कहा कि समाज में प्रेम और सद्भावना बनी रहे और भारत पुनः विश्वगुरु बने। देवनानी की उत्तएर प्रदेश की राज्योपाल से मुलाकात:- राजस्थाबन विधान सभा अध्यशक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को लखनउ में उत्तेर प्रदेश की राज्यलपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात की। देवनानी का पटेल ने शॉल ओढ़ाकर अभिवादन किया। पटेल ने देवनानी को स्व यं की पुस्त क चुनौतियां मुझे पसंद है और उत्तॉर प्रदेश के राजभवन पर प्रकाशित पुस्तनक हमारा राजभवन की प्रति भेंट की। देवनानी ने उत्तंर प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष महाना के साथ भवन, सदन, विधान परिषद भवन और संग्रहालय देखा, दोनों अध्यतक्षों ने विधायी कार्यों पर की चर्चा – राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को उत्तुर प्रदेश विधान सभा में अध्यक्ष सतीश महाना से भेंट की। देवनानी ने उत्ता प्रदेश विधान सभा भवन, सदन, डिजिटल संग्रहालय और विधान परिषद भवन का अवलोकन किया। देवनानी का महाना ने उत्तेर प्रदेश विधान सभा पहुँचने पर शॉल ओढाकर एवं स्मृषति चिन्हन व पुष्पह गुच्छउ भेंट कर स्वाागत किया। देवनानी ने महाना को राष्ट्रज सेविका मां अहिल्याकबाई होलकर पुस्तलक भेंट की। देवनानी औ महाना ने राजस्थाछन और उत्तकर प्रदेश विधानसभाओं के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध परम्पतराओं और विधायी कार्य प्रणालियों पर चर्चा की।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने लिए अधिकारियों की बैठक

-खाद्य सुरक्षा सूची से 54 हजार से अधिक लोगों ने हटाया नाम, 1 लाख 23 हजार नए लाभार्थी योजना से जुड़े

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने गुरुवार को चित्तौड़गढ जिला परिषद के ग्रामीण विकास अधिकरण सभागार में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना एवं गिव अप अभियान की प्रगति की समीक्षा बैठक ली। बैठक में मंत्री गोदारा ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत जरूरतमंद परिवारों को सस्ती दरों पर खाद्यान्न उपलब्ध करवाने के लिए गिव अप अभियान महत्वपूर्ण कदम है। अभियान के तहत चित्तौड़गढ़ जिले में अब तक 54 हजार 272 व्यक्तियों ने स्वेच्छा से योजना से नाम हटाकर उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस पहल से जरूरतमंद और गरीब परिवारों को योजना का सीधा लाभ सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने कहा कि गिव अप अभियान की सफलता का परिणाम है कि जिले में अब तक 1 लाख 23 हजार नए पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ा गया है। यह कदम खाद्य सुरक्षा को मजबूत बनाने और पारदर्शिता लाने में मील का पत्थर साबित होगा। मंत्री गोदारा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नए लाभार्थियों को समय पर राशन कार्ड जारी कर योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि खाद्यान्न वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा शिकायतों के त्वरित निस्तारण को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने इस अवसर पर जिला रसद अधिकारी सहित सभी प्रवर्तन अधिकारियों से सेक्टर के नाम जोड़ने, खाद्य सुरक्षा से नाम हटाने के संबंध में की जा रही कार्रवाई की विस्तृत जानकारी ली । बैठक में जनप्रतिनिधियों ने भी अपने सुझाव रखे और अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने पर विचार-विमर्श किया। मंत्री गोदारा ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की मंशा है कि "कोई भी पात्र व्यक्ति खाद्य सुरक्षा से वंचित न रहे।" उन्होंने समाज के सक्षम वर्ग से भी अपील की कि वे स्वेच्छा से गिव अप अभियान से जुड़कर जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आएं।

राज्य मंत्री देवासी ने सिरोही में किया सीसी सड़क का लोकार्पण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने गुरूवार को सिरोही जिले के रुखाड़ा में रेबारी वास में सीसी सड़क निर्माण कार्य व नाली निर्माण कार्य का विधिवत रूप से लोकार्पण किया। यह सड़क राज्य वित्त आयोग षष्ट्म जिला परिषद द्वारा निर्मित की गई है जिसकी लागत राशि 20.75 लाख रुपए हैं। यहां बारिश के समय में पानी भराव की बड़ी समस्या थी यह सड़क बनने के बाद पानी भरने की समस्या से आमजन को राहत मिलेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री देवासी ने कहा कि आमजन के कल्याण के कार्यों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार विकास कार्यों को प्राथमिकता से करवाने के लिए तत्पर है उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण से आमजन को राहत मिलेगी।

आरजीएचएस योजना को सुदृढ़ करने के लिए दिशा—निर्देश जारी

-जिलों में सीएमएचओ संभालेंगे योजना के क्रियान्वयन का

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में राजस्थान गवर्नमेंट हैल्थ स्कीम के सुदृढ़ीकरण हेतु प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में योजना के संचालन एवं मॉनिटरिंग को लेकर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने आवश्यक बदलाव कर दिशा—निर्देश जारी किए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि राज्य सरकार ने अधिसूचना जारी कर आरजीएचएस के संचालन का जिम्मा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को सौंपा है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने योजना के बेहतर संचालन, मॉनिटरिंग एवं नियंत्रण की दृष्टि से विभागीय निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के अनुसार अब आरजीएचएस की सभी पत्रावलियां राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्यारेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के माध्यम से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को प्रस्तुत की जाएंगी। राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरजी लाल अटल ने बताया कि जिला स्तर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी योजना के जिले में समग्र क्रियान्वयन, संचालन एवं मॉनिटरिंग के लिए उत्तरदायी होंगे। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में नियुक्त जिला नोडल अधिकारी ही आरजीएचएस योजना के भी जिला नोडल अधिकारी होंगे। वे योजना से सम्बन्धित समस्त दायित्व व भूमिका का निर्वहन करेंगे। ये अधिकारी ही जिले में योजना से सम्बन्धित न्यायिक मामलों में राज्य सरकार की ओर से प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करेंगे।

अधिकारी आमजन की परिवेदनाओं का संवेदनशीलता के साथ त्वरित एवं प्रभावी निराकरण करें- मुख्य सचिव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने गुरुवार को शासन सचिवालय में वीसी के माध्यम से वित्तीय समावेशन तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के देशव्यापी संतृप्तता अभियान के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उन्होंने प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जिला वार प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान प्रमुख शासन सचिव, राजस्व दिनेश कुमार ने डिजिटल क्रॉप सर्वे तथा फार्मर रजिस्ट्री की जिलावार प्रगति से अवगत करवाया। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि संतृप्तता अभियान को मिशन मोड में आगे बढ़ाते हुए समयबद्ध एवं पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का उद्देश्य केवल संख्या बढ़ाना नहीं है बल्कि अधिक से अधिक लोगों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है, जिससे उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से किसानों को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होंगे, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी और कृषि क्षेत्र को भी नई दिशा मिलेगी। गौरतलब है कि प्रदेश में वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार एक जुलाई से 30 सितंबर तक देशव्यापी अभियान का संचालन किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर तक बैंकिंग, बीमा एवं पेंशन जैसी जरुरी वित्तीय सेवाओं को आमजन की पहुँच तक सुलभ किया जा सकेगा।

सीजीडी पोर्टल से आएगी पारदर्शिता व समयबद्धता, मोनेटरिंग व्यवस्था होगी चाकचौबंद- रविकान्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य में शहरी और औद्योगिक सीजीडी नेटवर्क को तेजी से विस्तारित करने लिए जल्दी ही केन्द्रीकृत वेब पोर्टल सुविधा आरंभ की जाएगी। प्रमुख सचिव माइंस व पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने बताया कि केन्द्रीकृत पोर्टल पर राज्य में कार्यरत सभी 13 सीजीडी संस्थाएं आवश्यक अनुमतियों के लिए ऑनलाईन आवेदन कर सकेगी और संबंधित संस्थाओं द्वारा ऑनलाईन ही अनुमतियां जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि इससे कार्य में एकरुपता, पारदर्शिता के साथ ही तय समय में प्राप्त आवेदनों पर कार्रवाई सुनिश्चित हो सकेगी। इसके साथ ही मोनेटरिंग व्यवस्था भी चाकचौबंद होगी और कार्य में तेजी आयेगी। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यभार संभालते ही राज्य में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार पर जोर दिया और पहले साल के बजट में ही सवा लाख गैस कनेक्शन जारी करने की बजटीय घोषणा की। इसके बाद सीजीडी सुविधाओं के विस्तार में आ रही धरातलीय बाधाओं को तय समय सीमा में दूर करने और स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल ईंधन उपलब्ध कराने के काम में तेजी लाने के लिए राज्य सरकार की सीजीडी नीति बनाने की ना केवल घोषणा की अपितु सीजीडी नीति जारी कर राज्य सरकार की हरित उर्जा के प्रति प्रतिबद्धता को स्पष्ट कर दिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पिछले दिनों राज्य की राजस्थान सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नीति, 2025 जारी की है।रविकान्त ने बताया कि राज्य में 17 भौगोलिक क्षेत्रों में कार्यरत 13 सीजीडी संस्थाओं और इनके कार्यक्षेत्र के नागरिकों के लिए जल्द ही सीजीडी पोर्टल भी लांच किया जा रहा है। सीजीडी संस्थाओं को स्थानीय स्वायत्तशाषी संस्थाओं से तय समय सीमा में आवश्यक अनुमतियां प्राप्त हो सकेगी और इसके लिए संस्थाओं को किसी कार्यालय में जाने के स्थान पर ऑनलाईन आवेदन करने से ही अनुमतियां प्राप्त हो सकेगी। ऑनलाईन व्यवस्था से मुख्य सचिव व प्रमुख शासन सचिव स्तर पर मोनेटरिंग व आवश्यक निर्देश जारी हो सकेंगे वहीं स्थानीय स्तर पर जिला कलक्टर स्तर पर मोनेटरिंग सुनिश्चित हो सकेगी। इससे आधारभूत संरचना विकसित करने में अनावश्यक देरी नहीं हो सकेगी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

"इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी की वार्षिक बैठक संपन्न"

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जयपुर रोड स्थित जामिया अरबिया इस्लामिया मदरसा दारुल उलूम में इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी की वार्षिक आम बैठक का आयोजन, हाजी याकूब थीम की अध्यक्षता में किया सामयिक मुद्दों पर चर्चा और विचार विमर्श किया गया। सोसाइटी के अध्यक्ष शौकत अली खान झारिया ने कहा कि सोसाइटी मेंबर्स की दिलचस्पी और सक्रियता से वे अभिभूत हैं। डॉ. मुमताज़ अली कुरैशी ने अपने उद्बोधन में, शिक्षा और स्वास्थ्य के महत्व पर रोशनी डाली। इस से पहले वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद अयूब रि.एडिशनल एसपी ने संगठन के उद्देश्यों और आगामी कार्य योजना के बारे में, विस्तार से जानकारी दी। संगठन के जनरल सेक्रेटरी एवं पूर्व पी एम ओ डॉ. एफ एच गोरी ने अपने उद्बोधन में, भारत की गंगा जमुनी संस्कृति के खूबसूरत संगम को बरकरार रखने और सामाजिक भाई चारे के लिए काम करने की जरूरत बताई। इस के अलावा डॉ. गौरी ने जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा की भावनाओं के मद्देनजर, जिले को हरा भरा (पौधारोपण) बनाने, "जल है, तो कल है", "महिला शिक्षा एवं स्वास्थ्य" के मूल मंत्र के साथ साथ समाज में आपसी भाइचारे का पैगाम दिया। संगठन द्वारा डॉ. एफ एच गोरी के आव्हान का पूर्ण समर्थन किया गया। जिला प्रशासन द्वारा, हाल ही में सम्मानित समाज सेवी उस्मान अंसारी के अलावा, आरिफ खान प्रिन्सिपल, आवेश कुरैशी, आबिद भलीम एडवोकेट, ग्रेविटी संस्थान के निदेशक ख़ुर्शीद गौरी, भँवर खान पूर्व डी ओ, मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान द्वारा भी, बेश क़ीमती सुझाव पेश किए गए। अध्यक्षता कर रहे, हाजी याकूब थीम ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में काम करते रहें और हर हाल में सक्रिय रहें। कोई दिक्कत आए तो बुजुर्गों को हमें बताएँ। जिला प्रशासन से बेहतर तालमेल के लिए भी उन्होंने संगठन पदाधिकारियों खासकर डॉक्टर गोरी और अयूब खान की तारीफ की और आगे बढ़ने का आव्हान किया। मीटिंग अपने ऐजेंडे के मुताबिक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। अंत में प्रिन्सिपल आरिफ खान ने सभी का आभार व्यक्त किया, नए जुड़े मेंबर्स का स्वागत किया और शानदार इन्तेजाम और खाने की लजीज दावत के लिए हाजी याकूब थीम का शुक्रिया अदा किया गया। मीटिंग में संस्था द्वारा किए गए सम्मान समारोह पर चर्चा की गई। और शानदार समारोह के लिए संस्था अध्यक्ष शौकत अली खान झारिया पूर्व एडिशनल कमिश्नर ने सभी को साधुवाद दिया। इस अवसर पर मोहम्मद रशिद खान मोयल, आमिर अंसारी, समीर खान, वसीम अली भाटी, मोहम्मद आरिफ खान, आबिद खान लायन, अनीश खान, मोहम्मद सदीक खान, नजीर खान रि. प्रिंसिपल, हैदर अली खान, आरिफ खान ए बी एस, कैप्टन जसवंत खान, हबीब डायर, अयूब खान गोड, आसिफ खान एईएन रियाज खान एईएन, सोहेल खान, हाजी जाफर हुसैन, अलाउद्दीन ,आदिल कुरेशी आदि उपस्थित रहे। मुफ्ती इरशाद कासमी ने दुआ की।

DSSSB TGT Urdu परीक्षा में बेहतेड़ और मलारना डूंगर के विद्यार्थियों ने लहराया परचम

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (DSSSB) की TGT Urdu परीक्षा में राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के ग्राम बहतेड़ और मलारना डूंगर के 25 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इन सफल विद्यार्थियों का स्वागत एवं सम्मान अल बयान ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, कोटा द्वारा किया गया। संस्थान के निदेशक एवं संस्थापक एडवोकेट सैफुल इस्लाम ने सभी चयनित विद्यार्थियों का माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान के दौरान सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि दर्शाती है कि योग्य मार्गदर्शन और समर्पण से ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी भी बड़ी से बड़ी परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं। अल बयान ग्रुप सदैव ही प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं के मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन हेतु प्रतिबद्ध रहा है और आगे भी ऐसे प्रयास जारी रहेंगे। इस मौके पर चयनित छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजन एवं माता-पिता के साथ विशेष रूप से अल बयान संस्थान के संरक्षक प्रोफेसर मोहम्मद नईम फलाही (पूर्व संयुक्त सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार) को दिया। विद्यार्थियों ने बताया कि प्रोफेसर फलाही ने न केवल शैक्षणिक मार्गदर्शन दिया, बल्कि कठिन समय में मानसिक संबल और आत्मविश्वास भी प्रदान किया।

तृतीय उत्कृष्ट प्रतिभा सम्मान समारोह का पोस्टर विमोचन

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। दा बुद्धा सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्था के तत्वावधान में 31 अगस्त को शाही बाग पैलेस, कचोलिया रोड़, चौमूं में होने वाले तृतीय उत्कृष्ट प्रतिभा सम्मान समारोह का पोस्टर विमोचन लोहरवाड़ा सरपंच मनोहर लाल सरावता ने किया। संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट जितेंद्र बुनकर ने बताया कि वर्ष 2024-25 में कक्षा 10-12 वीं में 80 प्रतिशत व स्नातक स्नातकोत्तर में 75 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभाओं, नवनियुक्त कर्मचारी, नीट, आईआईटी में चयनित, प्रतिभागी खिलाड़ी, स्काउट, एनसीसी, एनएसएस, समाजसेवी, भामाशाह एवं जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया जाएगा। इस दौरान संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा, महासचिव महेंद्र बॉयला, सेवानिवृत विद्त विभाग के कार्यालय अधीक्षक गोपाल लाल तंवर, मदनलाल तंवर, मोहनलाल तंवर, रूडमल बुनकर, जितेंद्र सरावता, जितेंद्र तंवर, रामसागर सरावता, मदन लाल सरावता आदि मौजूद रहे।

हरियाणा के लोहारु में हुई बहन मनीषा की संदिग्ध मौत को लेकर चूरू में जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शहीद भगत सिंह युवा क्रांतिकारी मंच के बैनर तले चूरू शहर के सर्व समाज के युवाओं ने राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा देश में भढ़ रहे निरंतर बलात्कारों के मामलों को लेकर और प्रदेश के नजदीक हरियाणा के लोहारू में हुई बहन मनीषा की निर्मम हत्या को लेकर चूरू जिला मुख्यालय पर शहीद भगत सिंह युवा क्रांतिकारी मंच चूरू सर्व समाज के युवाओं ने इंद्रमणि पार्क से लेकर पुरानी कलेक्टर ऑफिस तक नारे लगाते हुए राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर रखी मांगे शहीद भगत सिंह युवा क्रांतिकारी मंच के राजेश चौधरी ने बताया कि प्रदेश और देश में लगातार महिला संबंधी अपराध और बलात्कार निरंतर बढ़ते जा रहे हैं। वहीं मनीषा के साथ हुई घटना से पूरा देश सदमे में है चौधरी ने बताया कि देश में अधिकतम तीन साल के भीतर भीतर बलात्कार संबंधी अपराध में दोषियों को निचली अदालत से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक फैसला जैसी बाध्यता का कानून सदन से पारित होना चाहिए। आसिफ खान ने बताया कि आज देश की सरकार जहां एक तरफ बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देती है वही देश में बेटियां असुरक्षित और असहाय है मार्च में शामिल दिनेश लाटा ने बताया कि आज देश को महिला संबंधी अपराधों पर निरंकुश लगे इसके लिए एक मजबूत कानून की आवश्यकता है तभी बेटियों पर होने वाले अत्याचार रुकेंगे और अपराधियों में भय पैदा होगा। चूरू एकता मंच के विनोद राठी ने बताया कि हमारी संवेदना बहन के साथ है आज हमारी बहन हमारे बीच में नहीं है हम सरकार से मांग करते हैं कि सरकार इसकी निष्पक्ष सीबीआई जांच करवाएं दोषियों को फांसी के तख्ते तक जल्द से जल्द पहुंचाए। पैदल मार्च में राजेश चौधरी, सुरेंद्र शर्मा, राजेश लाटा, आसिफ खान, दिनेश लाटा, विनोद राठी, अनीश खान, रामचंद्र, राहुल प्रजापत, हरीश कड़वासरा, रतन सैनी, आदि सैकड़ो युवा शामिल रहे।

सिक्किम राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर रहे पाली अल्प प्रवास पर

पाली (रॉयल पत्रिका)। सिक्किम राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर आज गुरूवार को पाली आये। राज्यपाल माथुर के पाली पहुचने पर जिला कलक्टर एलएन मंत्री और जिला पुलिस अधीक्षक पूजा अवाना ने उनका स्वागत व अगवानी की। इस अवसर पर सर्किट हाउस में राज्यपाल माथुर को पुलिस द्वारा गार्ड ऑफ आनर भी दिया गया। इस अवसर पर जिला कलक्टर मंत्री व पुलिस अधीक्षक पूजा अवाना व पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे। राज्यपाल माथुर ने सुभाष लोढ़ा शांति नगर गजानंद सोसायटी पहुंच कर उनकी पत्नी के निधन पर दिवंगत आत्मा को श्रृद्धाजंलि दी और शोक संवेदना व्यक्त की और परिजनों से मिले।

स्वराज बचाओं रैली जयपुर में पाली से गये भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन प्रदेश कांग्रेस के आहवान पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील पंवार, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, पंचायतीराज के प्रदेशाध्यक्ष सी.बी. यादव के नेतृत्व में स्वराज बचाओ रैली भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की जयंती पर प्रदेश मुख्यालय पर विशाल रैली व सभा का आयोजन किया गया था, इस रैली में पूरे प्रदेश से हजारों की संख्या में पंचायतीराज संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ पाली जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल के नेतृत्व में पाली जिले से भारी संख्या में कांग्रेस संगठन के पदाधिकारी जयपुर पहुंचे। सभा सम्बोधन के बाद सभी कांग्रेसजन पंचायतीराज एवं नगर निकायों के चुनाव नहीं होने, परिसीमान में धांधली, दो बच्चा होने पर चुनाव की पाबंदी हटाने, पंचायत जन प्रतिनिधि और नगर निकाय पार्षदगणों को अधिकार देने के साथ भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा वोट चोरी कर बी.जे.पी. को सत्ता में काबिज करने को लेकर महामहिम राज्यपाल महोदय को ज्ञापन देने सभी कांग्रेसजन ने पैदल मार्च किया। इस दौरान सरकार द्वारा शहीद स्मारक पर रोकने पर सभी कांग्रेसजनों ने नेताओं ने गिरफ्तारीया दी और पुलिस द्वारा सभी को अलग-अलग थानों में भेजा गया।

विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु जिला कलेक्टर महोदय का परिवाद प्रस्तुत

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान शिविर मैं रामेश्वर प्रसाद नायक पूर्व मनोनीत पार्षद नगर परिषद चुरु ने वार्ड नंबर 21 मंगल कॉलोनी, ज्योति नगर,कयाम नगर के विभिन्न जन समस्याओं को लेकर जिला कलेक्टर महोदय चुरु को परिवाद प्रस्तुत करते हुए बताया की मंगल कॉलोनी,ज्योति नगर वार्ड नंबर 21 चूरू में पेयजल की विकट समस्या है जिसके लिए मंगल कॉलोनी और ज्योति नगर में नए ट्यूबवेल स्थापित करने की मांग की गई रामेश्वर प्रसाद नायक ने बताया कि 2021 से पेयजल विकट समस्या चल रही है लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है नए ट्यूबवेल ही समस्या का स्थाई समाधान है। इसके साथ ही विद्त विभाग का ध्यान आकर्षित कर निवेदन किया गया है की मंगल कॉलोनी चूरू में घरों के ऊपर से विद्त सप्लाई लाइन जा रही है उसे शिफ्ट करने की मांग की गई एवं बैकुंठ मुक्तिधाम वार्ड नंबर 21 चुरु में इलेक्ट्रॉनिक शवदाह गृह स्थापित करने व चूरू जिला नायक समाज के छात्र-छात्राओं हेतु छात्रावास के लिए भूमि आवेदन की मांग की गई है माननीय जिला कलेक्टर महोदय ने अति शीघ्र आवश्यक कार्रवाई के निर्देश संबंधित विभागाध्यक्ष को दिए दिए। इस अवसर पर आसाराम सैनी, मोहनलाल आर्य, श्रवण बसेर, ओमप्रकाश बाकोलिया, आदि उपस्थित रहे।

सर्वोदय पैरामाउंड स्कूल में अलंकरण समारोह आयोजित

कोटा (रॉयल पत्रिका)। सर्वोदय एज्यूकेशनल ग्रुप द्वारा संचालित सर्वोदय पैरामाउण्ट स्कूल, विज्ञान नगर में अलंकरण समारोह में ग्रीन, ब्लु, येलो तथा रेड हाऊस का गठन किया गया तथा हेड बॉय, हेड गर्ल केप्टन व वाईस केप्टन तथा मॉनिटर्स नियुक्त किये गये। इन चार सदनों के पदाधिकारियों को शाला के नियमों का पालन एवं शाला, परिवार और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का सफलता पूर्वक निर्वहन करने हेतु शपथ भी दिलवाई गई। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि, अध्यक्ष, प्राईवेट बी.एड. कॉलेज संगठन, कोटा, विशाल जोशी रहे। इस अवसर पर चैयरमेन ए.जी. मिर्जा ने विद्यार्थियों को बैज लगाये। ग्रुप निदेशक डॉ. अजहर मिर्जा रहे व डॉ. मजहर मिर्जा ने विद्यार्थियों को अलंकरण समारोह का महत्व बताते हुए अनुशासन एवं प्रबन्धन के बारे में बताया। कार्यक्रम के अन्त में शाला प्राचार्या पूजा चौधरी ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया गया।

अल्पसंख्यक समुदाय की दो युवतियों का फिमेल हेल्थ वर्कर पद पर चयन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर अल्पसंख्यक समाज की दो यूवतियों का फीमेल हेल्थ वर्कर पद पर चयन हुआ परिजनो ने पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ एवम् विघायक हरलाल सहारण का आभार जताया आथुणा मौहल्ला निवासी मुस्कान पुत्री निसार खांन एवम् दिपलाणा निवासी रूकसार बानो पुत्री यासीन खां का चयन क्रमशः शहरी प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र वार्ड नं. 08 एवम् शहरी प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र वार्ड नं. 04 बीकानेर में फिमेल हेल्थ वर्कर पद पर चयन हुआ है। इस अवसर पर दोनो अल्पसंख्यक समुदाय की युवतियों का चयन होने पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला सहप्रभारी असगर अली जोईया एवम् पूर्व पीएमओ डॉ एफ एच गौरी ने युवतियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिन्नदन किया। इस अवसर पर विघायक आवास पर विघायक हरलाल सहारण द्वारा भी दोनो युवतियों को शुभकामनाऐं दी गई। इस अवसर पर असगर अली जोईया ने पूर्व प्रतिपक्ष नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ व विघायक हरलाल सहारण का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जोईया ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के लिए भाजपा शासन में कई कार्य हुऐ है जिससे इस समुदाय के लोगो में भाजपा के प्रति विश्वास बढ़ रहा है। इस अवसर पर अयूब खांन गौड़, निसार खांन सर्वा, सलीम खांन सर्वा, रमजान खान जोईया, असलम खान जोइया, शाहरूख जोईया, सफी खां चायल, युनूस जोईया, युनूस खां पहाड़ियान, युनुस खां सर्वा, मुंशी खां चायल, युसुफ खां चौहान, युसुफ खां नारू, सिराज खां जोईया, सतार खां चायल, सलीम सर्वा, सतार सर्वा, नबाब खां मलवाण, मकसूद खां सर्वा, असलम खानं नारू आदि उपस्थित रहे।

वर्ष 2024 में कलेक्ट्रेट सर्किल के पास हुई लूट के प्रकरण में वांछित भगौडे ईनामी व टॉप-10 अपराधी पंकज को किया गिरफ्तार

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जय यादव आईपीएस पुलिस अधीक्षक जिला चूरू ने बताया कि वांछित स्थाई वारंटी / भगौडो/ उदघोषित अपराधियों की धरपकड कार्यवाही के तहत लोकेन्द्र दादरवाल आरपीएस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू व सुनिल कुमार झाझडिया आरपीएस वृताधिकारी वृत चूरू के निकटतम सुपरविजन एवं सुखराम चोटिया थानाधिकारी पुलिस थाना कोतवाली चूरू के नेतृत्व में बीएनएस में वांछित भगौडे अपराधी एवं चूरू पुलिस द्वारा जारी 2000 रूपये का ईनामी व टॉप-10 अपराधी पंकज मेघवाल पुत्र राकेश जाति मेघवाल निवासी अलसीसर पुलिस थाना मलसीसर जिला झुंझुनू की दस्तयाबी हेतु थाना स्तर पर टीम नवीन कुमार ,सुनिल कुमार ,विकास कुमार , का गठन किया गया। ईनामी पंकज के लगातार मोबाईल नम्बरो, संचालित सोशल मीडिया अंकाउट पर सीडीआर एनालाईसिस पर कार्यरत कुलदीप भाकर द्वारा निगरानी व मौजुदगी की अपडेट हासिल की गई। ईनामी अपराधी पंकज द्वारा संचालित इन्सटाग्राम आईडी के बारे में सूचना प्राप्त होने पर उक्त इन्सटाग्राम आईडी का रिकॉर्ड हासिल किया गया जिसमें उक्त इन्सटाग्राम आईडी मोबाईल नम्बर द्वारा लिंक होना ज्ञात हुआ जिस पर 20.08.2025 को गठित टीम द्वारा उक्त मोबाईल नम्बरो की लोकेशन के आधार पर रवाना होकर तुरन्त कार्यवाही करते हुए लुहारू-सीकर रोड स्थित रिषभ फायर वर्क्स के पास बनी रेजीडेन्सी अपार्टमेन्ट झुंझुनु पहुंचें जहां पर भगौडे अपराधी को टीम के बारे में ईतला लगने पर भागने की कोशिश की जिस पर टीम द्वारा संयुक्त रूप से भगौडे व थाना हाजा के ईनामी व टॉप-10 अपराधी पंकज मेघवाल पुत्र राकेश जाति मेघवाल निवासी अलसीसर पुलिस थाना मलसीसर जिला झुंझुनू को काबु कर दस्तयाब किया गया। प्रकरण में आईन्दा अपराधी पंकज को बाद अनुसंधान पेश अदालत किया जावेगा।

पचमुखी बालाजी मंदिर में कोटड़ी शक्ति सावित्री माता का होगा सत्संग

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मोचीवाड़ा स्थित पचमुखी बालाजी मंदिर प्रागण में शुक्रवार 22 अगस्त को रात्री 8.30 से 11.30 तक कोटड़ी शक्ति सावित्री माता का सत्संग भक्तो द्वारा किया जायेगा। पंचमुखी बालाजी मंदिर के पुजारी पंडित दुर्गादत्त हारित ने बताया कि रात्रि 8.30 बजे से 11.30 बजे तक मंदिर परिसर में स्थापित कोटड़ी शक्ति सावित्री माता के धाम पर स्थानीय भक्तो द्वारा सत्संग कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा जिसमें स्थानीय कलाकार भजनो की प्रस्तुतियां देगे एवम् माता का पुष्पो से भव्य श्रृगांर किया जायेगा एवम् कार्यक्रम के समापन पर सामुहिक आरती की जायेगी। उन्होने सभी भक्तो से आग्रह किया कि सत्संग कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंच कर सत्संग का लाभ उठावे।

हनुमानगढ़ में जिला स्तरीय डाक मेला, 5000 खाते खुले और 41 लाख रुपए का बीमा प्रीमियम जमा

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। भारतीय डाक विभाग के तत्वावधान में हनुमानगढ़ प्रधान डाकघर में जिला स्तरीय डाक मेले का आयोजन किया गया। इसमें आमजन के साथ जिले के ग्रामीण डाक सेवक, शाखा डाकपाल और सहायक शाखा डाकपाल भी शामिल हुए। डाक विभाग ने इस अवसर पर आमजन को वित्तीय समावेशन, बीमा और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने डाक विभाग की नवाचारपूर्ण सेवाओं की सराहना की। उन्होंने आधार नामांकन व अपडेट, पासपोर्ट सेवा, बीमा योजनाओं और ग्रामीण क्षेत्रों तक सेवाएं पहुंचाने के प्रयासों को सराहनीय बताया। कलेक्टर ने डाक विभाग को अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए ताकि गरीब और कम आय वर्ग को भी सामाजिक सुरक्षा मिल सके।

डाक सेवा अब डिजिटल इंडिया का अहम हिस्सा

डाक अधीक्षक सीताराम खत्री ने कहा कि चिट्ठी-पत्री से शुरू हुआ विभाग पिछले 170 वर्षों से आमजन का सहभागी रहा है। आज डाक विभाग ने नवीनतम तकनीक को अपनाकर डिजिटल इंडिया अभियान में अपनी अग्रणी भूमिका सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि विभाग न केवल संचार का माध्यम रहा है बल्कि अब आमजन की वित्तीय सुरक्षा और समावेशन का भी मजबूत साधन है।

जनसुनवाई बनी उम्मीद की किरण, दिव्यांग महिला को तुरंत स्वीकृत हुई स्कूटी

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा आमजन की परिवेदनाओं एवं शिकायतों के निस्तारण को लेकर आयोजित की जा रही त्रिस्तरीय जनसुनवाई आम लोगों के लिए उम्मीद की किरण साबित हो रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हो रही इस पहल ने लोगों के बीच विश्वास और राहत दोनों ही बढ़ाई है। गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में हुई जनसुनवाई में पीलीबंगा के लोंगवाला निवासी सोनू रानी जब अपना परिवाद लेकर पहुंची, तो उन्हें उम्मीद नहीं थी कि इतनी जल्दी समाधान मिल जाएगा। परंतु जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने उनकी समस्या को गंभीरता से सुनते हुए तत्काल समाधान कराया। सोनू रानी, जो दो बेटियों की मां हैं और गोलूवाला के एक कॉलेज से ग्रेजुएशन कर रही हैं, दिव्यांग होने के कारण अक्सर पब्लिक ट्रांसपोर्ट से कॉलेज आना-जाना करती हैं। इस दौरान उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उनके पति राजकुमार मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। सोनू रानी ने मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना के तहत आवेदन किया था, लेकिन आवेदन पत्र में त्रुटि के कारण उन्हें स्कूटी नहीं मिल सकी। इस बार उन्होंने दोबारा आवेदन किया और उसी संदर्भ में जनसुनवाई में पहुंचीं। जनसुनवाई के दौरान एडीएम उम्मेदी लाल मीना ने पीलीबंगा विधायक से संपर्क साधकर विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास कोष से एक लाख रुपए की स्कूटी स्वीकृत करवाई।

जल शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि 29 अगस्त तक

पाली (रॉयल पत्रिका)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी राजस्व खण्ड पाली के अधीनस्थ कार्यक्षेत्र के समस्त जल उपभोक्ताओं को माह मई-जून 2025 के जल शुल्क विपत्र जारी किए गए थे, जिनके नकद भुगतान की तिथि 21 अगस्त निर्धारित थी। अब इस तिथि को बढ़ाकर 29 अगस्त कर दिया गया है। सहायक अभियंता जलदाय विभाग राजस्व उपखण्ड पाली शोभा कुमारी ने बताया कि उपभोक्ता बिना किसी विलम्ब शुल्क के निर्धारित बढ़ाई गई अंतिम तिथि तक अपने पानी के बिल नजदीकी ई-मित्र कियोस्क में जमा करवा सकते हैं।

रोजगार सहायता शिविर के पोस्टर का विमोचन

जिला कलेक्टर एलएन मंत्री ने आज गुरूवार को 29 अगस्त को बांगड़ कॉलेज में आयोजित होने वाले एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर के पोस्टर का विमोचन किया। जिला रोजगार अधिकारी मनीष थोरी ने बताया कि ये शिविर सुबह 10 बजे से 3 बजे तक आयोजित होगा। रोजगार शिविर में निजी क्षेत्रो की 15 से ज्यादा विभिन्न कंपनियों को बुलाया जा रहा है। जिसमें बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्राप्त हो सकेगा

"20 वां गाजर घास उन्मूलन जागरुकता सप्ताह के अन्तर्गत गोष्ठी का हुआ आयोजन"

बून्दी (रॉयल पत्रिका)। कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी में बुधवार को 20 वां गाजर घास उन्मूलन जागरुकता सप्ताह (16-22 अगस्त) के अन्तर्गत गाजर घास उन्मूलन पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के कृषक व कृषक महिलाओं को खेतों में फसलों के बीच उगने वाली गाजर घास के उन्मूलन व इससे संबंधित होने वाली हानियों के बारे में जागरुक किया। केन्द्र के कीट विज्ञान विशेषज्ञ प्रो. हरीश वर्मा ने गाजर घास के बारे में किसानों को विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि गाजरघास का पौधा लगभग 3-4 महीने में अपना जीवन चक्र पूरा कर लेता है। यह पौधा प्रकाश एवं तापक्रम के प्रति उदासीन होता है अतः पूरे वर्ष भर उगता एवं फलता-फूलता रहता है। गाजर घास के लगातार संपर्क में आने से मनुष्यों में डरमेटाइटिस, एक्जिमा, एलर्जी, बुखार, दमा जैसी बीमारियाँ हो जाती हैं। इसके जैविक नियंत्रण में मेक्सिकन बीटल जाइगोग्राम बाइक्लोराटा परभक्षी कीट प्रभावी पाया गया। यह भी देखा गया है कि अनुकूल परिस्थितियाँ होने पर यह कीट फरवरी से अप्रेल महीने में अपना जीवनचक्र पूरा करते हुए गाजर घास को नष्ट कर सकता है। साथ ही बताया कि बहुतायत रुप से गाजर घास के पौधे खाली स्थानों, अनुपयोगी भूमियों, औद्योगिक क्षेत्रों, सड़के के किनारों, रेलवे लाइनों आदि भूमि पर पाये जाते है। इसका प्रकोप खाद्यान्न, दलहनी, तिलहनी फसलों, सब्जियों एवं उद्यान फसलों में भी देखने को मिलता है। पशुओं के लिये यह घास अधिक विषाक्त है। इसको खाने से दुधारु पशुओं के दूध में कड़वाहट के साथ-साथ दूध उत्पादन में कमी आने लगती है। मृदा वैज्ञानिक डॉ.सेवाराम रुण्डला ने बताया कि नम भूमि में इस खरपतवार को फूल आने से पहले हाथ से उखाड़कर इकट्ठा कर जला देने या इसका कम्पोस्ट बनाकर काफी हद तक नियन्त्रित किया जा सकता है। इसे उखाड़ते समय हाथों में दस्तानों तथा सुरक्षात्मक कपड़ों का प्रयोग करना चाहिए। गोष्ठी में वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता डॉ. दीपक कुमार, विकास ताखर, लोकेश प्रजापत, विजेन्द्र कुमार वर्मा और रामप्रसाद एवं तकनीकी सहायक महेन्द्र चौधरी ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में कृषि सखी/सीआपी प्रशिक्षण में आयी हुई महिलाओं एवं केरियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी, कोटा के रेड्डी कार्यक्रम के तहत आये विद्यार्थियों सहित 38 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

गौवंश सेवा की नई पहल: आंकखेड़ी में बनेगी 1 करोड़ की गौशाला

गौशाला के भूमि पूजन व शिलान्यास कार्यक्रम में धर्मगुरु, विधायक, जिला कलक्टर सहित अनेक गणमान्य रहे

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत आंकखेड़ी में 1 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली गौशाला का शिलान्यास एवं भूमि पूजन समारोह बुधवार को बड़े उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला गौपालन समिति के अध्यक्ष एवं जिला कलेक्टर झालावाड़ अजय सिंह राठौड़ रहे, जबकि अध्यक्षता विधायक डग कालूराम मेघवाल ने की। इस अवसर पर संत बालकदास जी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने आशीर्वचन देकर गौशाला निर्माण को क्षेत्र की ऐतिहासिक पहल बताया।

"गौशाला केवल आश्रय नहीं, बल्कि करुणा और सेवा का प्रतीक है" जिला कलेक्टर

इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि चौहानों का खेड़ा निवासी रामसिंह चौहान ने अपने खाते की साढ़े चार बीघा भूमि दान देकर जिस भाव से गौशाला निर्माण के लिए योगदान दिया है, वह वास्तव में अद्वितीय और प्रेरणादायी है। उन्होंने बाकी गांवों को चारागाह जमीनों पर गौवंश के लिए चरने की जमीन सुरक्षित रखने और गौशाला निर्माण के लिए भूमि एवं अन्य आवश्यक सहयोग के लिए भामाशाहों को आगे आने के लिए आग्रह किया। गौवंश की सेवा हमारी परंपरा और संस्कृति का अभिन्न अंग है, और इस दिशा में भूमि दान जैसा पुण्य कार्य समाज को नई ऊर्जा देता है। गौशाला केवल आश्रय नहीं, बल्कि यह करुणा, सेवा और समाज की संवेदनशीलता का प्रतीक है। चौहान का यह योगदान भावी पीढ़ियों को भी प्रेरित करेगा कि वे गौवंश संरक्षण जैसे पावन कार्यों में अपना सहयोग दें। जिला कलेक्टर ने कहा कि गौशाला केवल पशुओं के संरक्षण का स्थान नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और धार्मिक परंपरा का प्रतीक है। ग्राम पंचायत आंकखेड़ी में जनसहयोग से बनने वाली यह गौशाला गोवंश की सेवा और पालन-पोषण के साथ-साथ समाज को संवेदनशील बनाने का कार्य करेगी। बेसहारा पशुओं की समस्या के समाधान में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। इस अवसर पर डग विधायक कालूराम मेघवाल ने कहा कि इस क्षेत्र में भव्य गोशाला का निर्माण कराया जा रहा है जो गौमाता की सेवा के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के माध्यम से भवानीमंडी सहित विधानसभा क्षेत्र डग में कई विकास कार्य किए गए हैं और कई विकासशील योजनाएं प्रगतिरत हैं। इस दौरान जिला कलेक्टर सहित अन्य अतिथियों द्वारा विधिवत रूप से भूमि पूजन एवं शिलान्यास पट्टिका का अनावरण किया गया।

अल्पसंख्यक विभाग की ऋण एक मुश्त समाधान योजना

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। अल्पसंख्यक विभाग की ऋण एक मुश्त समाधान योजना 2025-26 का लाभ 30 सितम्बर 2025 तक ब्याज व दण्डनीय ब्याज छूट के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा राजस्थान अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड, जयपुर की शाखा अल्पसंख्यक मामलात विभाग डूंगरपुर से ऋण प्राप्त ऋणियों के लिए 01 मई 2025 से 30 सितम्बर 2025 तक लागू की है। इस योजना में वर्ष 2012-13 से 2018-19 तक प्राप्त ऋणी लाभ प्राप्त कर सकते हैं। बकाया ऋणियों को वाहक एवं डाक द्वारा अवगत करा दिया है, जिसमें आज तक 12 ऋणियों ने राशि जमा करा कर लाभ प्राप्त किया है। इस योजना के तहत् 30 सितम्बर-2025 तक बकाया एवं दण्डनीय ब्याज से छूट प्रदान की गई है। उन्होनें बताया कि जो ऋणी इस योजना में लाभ प्राप्त करना चाहते हैं वे शीघ्र इस कार्यालय में सम्पर्क कर बकया ऋण राशि जमा करावें।

जिला कलेक्टर ने अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा संचालित किचन का किया औचक निरीक्षण

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि ने बुधवार को बीकानेर अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा संचालित बीकानेर किचन का औचक निरीक्षण किया। जिला कलेक्टर ने रसोई घर की व्यवस्थाओं को देखा। फूड स्टोर का निरीक्षण किया। कच्चे माल की गुणवत्ता की जांच की और मिड डे मील चखा। उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का पूर्णतया ध्यान रखा जाए। समूची व्यवस्थाएं पूर्णतया हाइजीनिक हों तथा संपूर्ण परिसर साफ सुथरा और स्वच्छ रखा जाए। उन्होंने विद्यालयवार मिड डे मील वितरण व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल, जिला शिक्षा अधिकारी किशन दान चारण, डायरेक्टर क्वालिटी सुरेश कुमार, आरएम क्वालिटी भवानी सिंह और प्रबंधक चंपाराम मौजूद रहे।

जिला कलक्टर आलोक रंजन की अध्यक्षता में विभागीय समन्वय बैठक सम्पन्न

-संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की स्थिति, जन शिकायतों के निस्तारण करना पहली प्राथमिकता

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर आलोक रंजन की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय विभागीय समन्वय बैठक आयोजित हुई। बैठक में संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की स्थिति, जन शिकायतों के निस्तारण, राज्य एवं केन्द्र सरकार के पोर्टलों पर दर्ज प्रकरणों एवं फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला कलक्टर आलोक रंजन ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संपर्क पोर्टल एवं अन्य पोर्टलों पर दर्ज शिकायतों का त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण किया जाए। 30 दिवस से अधिक लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण सुनिश्चित हो।ई-फाइल का अधिकतम उपयोग करते हुए सभी कार्य ऑनलाइन प्रक्रिया से सम्पन्न किए जाएँ। जनसुनवाई के लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत निस्तारण आगामी जनसुनवाई से पूर्व किया जाए। उन्होंने कहा कि औसत निस्तारण समय में सुधार तथा संतुष्टि प्रतिशत बढ़ाने के लिए परिवादियों से संवाद व परामर्श आवश्यक है। राज्य एवं केन्द्र स्तर से प्राप्त प्रकरणों की निगरानी अधिकारी स्वयं करें। बैठक में जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। विदुत विभाग को कुसुम योजना के लक्ष्य अनुसार प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महिला अधिकारिता विभाग को लाड़ो प्रोत्साहन योजना के तहत बालिका जन्म को प्रोत्साहित करने हेतु कार्ययोजना बनाने को कहा। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग को पॉलीहाउस, ड्रिप सिंचाई, फार्म पॉन्ड व तारबंदी योजनाओं में लाभ वितरण शीघ्र करने के निर्देश दिए। पंचायती राज व ग्रामीण विकास विभाग को जल संरचनाओं, स्वच्छ भारत मिशन, अटल ज्ञान केंद्र, स्वामित्व योजना व मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन योजना की प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए। स्वायत्त शासन विभाग को शहरी स्वच्छता मिशन में घर-घर कचरा संग्रहण और पिंक टॉयलेट निर्माण के लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने स्मार्ट सिटी के कार्यों की समीक्षा

-समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में बुधवार को स्मार्ट सिटी परियोजना के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कलक्टर लोक बन्धु ने स्मार्ट सिटी कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि अनुबंध के अनुसार सभी कार्यों का पूर्ण होना अनिवार्य है और हैंडओवर से पूर्व सभी मूलभूत कार्य सुनिश्चित किए जाएं। जेएलएन चिकित्सालय परिसर में पीडियाट्रिक ब्लॉक में जनरेटर, बेसमेंट सहित सभी तलों के लंबित कार्यों को पूर्ण कर ही भवन का हैंडओवर लिया जाए। मेडिसिन ब्लॉक में जनरेटर सहित अन्य उपकरणों की कार्यशीलता जांचने के निर्देश दिए। उन्होंने स्मार्ट सिटी के अधीक्षण अभियंता एवं सम्बन्धित विभागीय अधिकारी को संयुक्त रूप से निर्माण कार्य का अवलोकन करके सुझाव देने के निर्देश दिए। साथ ही अस्पताल अधीक्षक को परिसर की स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ करने तथा चिकित्सकों को नियमित निरीक्षण की जिम्मेदारी देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी से जुड़े शेष कार्यों को भी गुणवत्ता के साथ समयबद्ध पूरा किया जाए। इससे जिले में चल रही विकास योजनाओं का लाभ आमजन तक शीघ्र पहुँच सकेगा। सम्बन्धित विभाग के अधिकारी स्मार्ट सिटी अधिकारियों के साथ विकास कार्यों को संयुक्त रूप से देखकर शर्तों के अनुसार गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित करेंगे। इस अवसर पर नगर निगम के आयुक्त देशल दान, उपखंड अधिकारी गरिमा नरूला, अजमेर विकास प्राधिकरण के सचिव अनिल पूनिया, स्मार्ट सिटी के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत राजकीय विद्यालय में सुरक्षा कवच बैज वितरित

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. मंजू एवं जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के नेतृत्व में जारी नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत राजकीय विद्यालय (मल्टीपर्पज़) में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों को 'मुझे गर्व है, मैं नशा मुक्त हूँ' सुरक्षा कवच पॉकेट बैज वितरित किए गए। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से विक्रम ज्याणी ने कहा कि यह बैज केवल एक धातु का टुकड़ा नहीं, बल्कि नशे के खिलाफ एक अदृश्य ढाल है। इसे पहनकर विद्यार्थी हर दिन अपने संकल्प को दोहराएँगे कि वे स्वयं नशा मुक्त रहेंगे और दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे। सभी बच्चों के लिए संदेश है कि नशा मुक्त होना शर्म का विषय नहीं, बल्कि गर्व और आत्मसम्मान की सबसे बड़ी पहचान है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखकर उन्हें समाज का ब्रांड एम्बेसडर बनाना है। कार्यक्रम में छात्रों ने हाथ उठाकर सामूहिक नशा मुक्ति की शपथ ली।

पंचायतीराज उपचुनाव के लिए मतदान दल रवाना

-जिला निर्वाचन अधिकारी ने सफल एवं सुचारु मतदान संपन्न करवाने के लिए दिए दिशा निर्देश

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। पंचायतीराज उपचुनाव- 2025 के अंतर्गत पंचायती राज संस्थाओं के रिक्त पदों पर उपचुनाव करवाने हेतु बुधवार को 45 मतदान दल रवाना हुए। बुधवार को मतदान दलों के रवाना होने से पूर्व वीरबाला कालीबाई राजकीय कन्या महाविद्यालय में सफल एवं सुचारु मतदान संपन्न करवाने के लिए अंतिम प्रशिक्षण दिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने सभी मतदान दल के प्रभारी एवं अन्य कार्मिकों को सुचारू संपादन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने प्रभार को पूर्ण जिम्मेदारी और गंभीरता से निष्पादन करने तथा किसी भी प्रकार की समस्या आने पर उच्च अधिकारियों को सूचित करते हुए तत्काल समाधान करवाने के भी निर्देश प्रदान किये। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि डूंगरपुर जिले में पंचायत उपचुनाव के तहत गुरूवार सीमलवाडा जिला परिषद् सदस्य वार्ड नं. 9 एवं पंचायत समिति सदस्य वार्ड नंबर 16 के सदस्य पद पर मतदान होगा। उन्होंने बताया कि मतदान प्रातः 07.00 बजे से सायं 5.00 तक होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर सिंह ने बताया कि दोनों पदों पर सुचारू मतदान प्रक्रिया हेतु मतदान केंद्र पर 45 बूथ बनाये गए है। इसके लिए 45 मतदान दलों को रवाना किया गया है वहीं 5 मतदान दलों को रिजर्व रखा गया है। इसके साथ ही चुनाव को लेकर सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किये गए है, इसमें 6 सेक्टर ऑफिसर की तैनाती के साथ सुरक्षा कर्मियों को लगाया गया है। मतदान दलों की रवानगी को लेकर महाविद्यालय स्थल पर जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा बेहतर व्यवस्थाएं की गई जिसमें प्रशिक्षण से लेकर मतदान दलों को मतदान सामग्रियों के वितरण हेतु अलग-अलग काउंटर बनाते हुए व्यवस्था की गई। साथ ही हर कार्य के निष्पादन हेतु लगातार उद्घोषणा के माध्यम से मतदान दलों को मार्गदर्शन मुहैया कराया गया। स्थल पर चिकित्सा व्यवस्था, पेयजल, भोजन एवं अल्पाहार आदि व्यवस्थाओं का माकुल प्रबंध किया गया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं एडीएम दिनेश धाकड एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़ सहित समस्त संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड आईटीएमएस के तहत हर राज्य तैयार करेगा अपना प्रश्न-बैंक

-एनसीईआरटी कार्यशाला का तीसरा दिन

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। नई शिक्षा नीति के तहत देश का हर राज्य इंटीग्रेटेड टेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम के साथ काम करेगा। इसके तहत प्रत्येक राज्य अपना प्रश्न-बैंक तैयार करेगा। इसी तरह नई शिक्षा नीति की पालना के जरिए विद्यार्थियों के समग्र मूल्यांकन का खाका तैयार किया जाएगा। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं एनसीईआरटी के परफॉरमेंस असेसमेंट रिव्यू एंड एनालिसिस ऑफ नॉलेज फॉर होलिस्टिक डवलपमेंट (परख) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड एवं प्रश्न पत्र प्रारूप मानकीकरण पर आधारित पाँच दिवसीय कार्यशाला का तीसरा दिन विषयवस्तु की गहराई से समझ और व्यावहारिक गतिविधियों पर केंद्रित रहा। परख के विशेषज्ञों ने बोर्ड समतुल्यता रिपोर्ट की पृष्ठभूमि प्रस्तुत की। इसके पश्चात सत्र में विभिन्न बोर्डों की समतुल्यता पर आधारित रिपोर्ट, मूल्यांकन की अवधारणाएँ, मूल्यांकन के घटक, प्रकार, उपकरण एवं तकनीकों की गहन जानकारी दी गई। दोपहर के सत्र में एक अच्छे मूल्यांकन योजना की विशेषताएँ, एनईपी 2020 के अनुसार मूल्यांकन की दृष्टि, और एनसीएफ एण्ड एसई के तहत विभिन्न चरणों में मूल्यांकन की संकल्पना पर चर्चा की गई। यह सत्र शिक्षकों के लिए मूल्यांकन के सिद्धांतों को समझने का आधार बना। अंतिम सत्र में प्रतिभागियों ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा 2025 के 10वीं एवं 12वीं के गत वर्षों के प्रश्न पत्रों का विश्लेषण करते हुए एक मूल्यांकन रूपरेखा, डिज़ाइन तथा ब्लूप्रिंट तैयार किया। यह गतिविधि शिक्षकों को मूल्यांकन प्रक्रिया की व्यावहारिक समझ प्रदान करने में सहायक रही। तीसरे दिन की कार्यशाला ने यह स्पष्ट कर दिया कि मूल्यांकन अब केवल अंक देने की प्रक्रिया नहीं रह गया है, बल्कि यह छात्रों के समग्र विकास को मापने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को मूल्यांकन की समकालीन अवधारणाओं से जोड़ते हुए शिक्षण में गुणवत्ता उन्नयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।

सिंधी समाज ने विभाजन का दर्द सहा पर संस्कृति को जीवित रखा

-कोहिनूर पैलेस में दिखी सिंधु संस्कृति की झलक

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि सिंधी समाज हमेशा से पुरुषार्थी रहा है। उन्होंने कहा कि देश सहित अयोध्या के विकास में सिंधी समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सिंधी समाज देश के विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अब समाज के बच्चें प्रशासनिक सेवाओं में भी आगे आ रहे है यह गर्व का विषय है। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, संत साई नितिन राम और सिंधु सेवा समिति (रजि.) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री अमृत राजपाल ने अयोध्या में प्रभु झूलेलाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण और प्रभु झूलेलाल की आरती के साथ दीप प्रज्ज्वलन करके 73 वें प्रभु झूलेलाल महोत्सव का शुभारम्भ किया। समारोह का संचालन ट्रस्ट के संरक्षक गिरधारी चावला और महामंत्री नरेन्द्र क्षेत्रपाल ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवनानी का प्रभु झूलेलाल की प्रतिमा, शॉल ओढाकर व पुष्प गुच्छ व पाखर भेंट कर अभिनंदन किया। इस मौके पर देवनानी ने स्नातक और परास्नातक में उत्कृष्ट युवाओं को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर पुरस्कृत किया। 73 वें प्रभु झूलेलाल महोत्सव में एक शाम सिंधियत के नाम में अंतर्राष्ट्रीय गायक जतिन उदासी व ज्योति पहलाजानी ने सिंधी गौतों से सर्व समाज का मन मोह लिया। देवनानी ने कहा कि अयोध्या एक नगर के साथ आध्यात्म और मर्यादा की पावन स्थली है। यहाँ भगवान श्रीराम ने सत्य और त्याग का संदेश दिया, वहीं प्रभु झूलेलाल ने समाज को साहस, न्याय और एकता की राह दिखाई। समाज के इन दोनों आदर्शों ने आध्यात्म और संस्कृति को नई दिशा दी। देवनानी ने कहा कि सिंधी समाज ने विभाजन का दुःख सहने के बाद भी अपनी संस्कृति को जीवित रखा। आज भी सिंधी समाज अपने परिश्रम, सेवा और संस्कार की पहचान से पूरे भारत और विश्व में गौरव बढ़ा रहा है। देवनानी ने कहा कि यह महोत्सव हमें याद दिलाता है कि ज्ञान हमारा हथियार है, संस्कृति हमारी पहचान है और समाज सेवा हमारी सबसे बड़ी शक्ति है।

भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा शिविर आयोजित होंगे

-22 एवं 25 अगस्त को 17 गांवों में आयोजित होंगे शिविर

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के निर्देशानुसार जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के शिविरों का आयोजन किया जाएगा। श्रीगंगानगर जिले की कुल 342 ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित होंगे। 22 एवं 25 अगस्त को विभिन्न बैंकों द्वारा 17 गांवों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। अग्रणी जिला प्रबन्धक मुकेश कुमार जांगडा ने बताया कि 22 अगस्त को बैंक आरजीबी द्वारा हिन्दमलकोट, बडोपल व मालेर, एसबीआई द्वारा गांव जीवनदेसर, 78 जीबी व खांटा, बैंक ऑफ बडौदा द्वारा पन्नीवाली में, पीएनबी द्वारा 6 डीडी व गोमावाली में शिविर आयोजित किये जायेंगे। इसी प्रकार 25 अगस्त को पीएनबी द्वारा गांव जोधेवाला, मानकसर, में, बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा अरायण में, एसबीआई द्वारा मांझूवास, 8के-बी एवं ख्यालीवाला, आरजीबी द्वारा रोटांवाली व 6 एसकेएमए में शिविर आयोजित किये जायेंगे। शिविर में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना के तहत पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण एवं प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत नये खाते खोले जाएंगे तथा निष्क्रिय खातों के लिए री-केवाईसी की जाएगी। आयोजित शिविर स्थल पर आस-पास के नागरिक पहुंचकर लाभ ले सकेंगे।

जन सुरक्षा वित्तीय समावेशन शिविर में जिला कलेक्टर का औचक निरीक्षण

-ग्रामीणों को जनधन, बीमा व पेंशन योजनाओं से जोड़ा गया

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। गृह मंत्रालय एवं भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशानुसार बिलाड़ा ब्लॉक की हूणगांव ग्राम पंचायत में यूको बैंक भावी शाखा एवं वित्तीय साक्षरता केंद्र, पीपाड़ सिटी के तत्वावधान में जन सुरक्षा वित्तीय समावेशन शिविर 2025 का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण जनों को विभिन्न बैंकिंग योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें वित्तीय सेवाओं से जोड़ना रहा। कार्यक्रम के दौरान जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने औचक निरीक्षण कर शाखा प्रबंधक एवं अधिकारियों से शिविर को और अधिक प्रभावी बनाने पर चर्चा की। उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि बैंकिंग और बीमा योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक परिवार को सुरक्षा और स्थिरता प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है। अग्रवाल ने उपस्थित ग्रामीणों को सामाजिक एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उनका लाभ उठाने का आह्वान किया। शिविर में जिला अग्रणी बैंक जोधपुर के लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर श्याम पुरोहित ने ग्रामीणों को आर्थिक नियोजन की महत्ता से अवगत कराया। उन्होंने विस्तार से बताया कि प्रधानमंत्री जन धन बचत खाता, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना तथा पुनः केवाईसी जैसी योजनाओं के माध्यम से आमजन को वित्तीय सशक्तिकरण का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर यूको बैंक भावी शाखा प्रबंधक नरपत सिंह गहलोत एवं ग्राहक सेवक ने ग्रामीणों को इन योजनाओं से बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने का कार्य किया।

कल्पना चावला की बायोपिक करना चाहती हैं कुब्रा सैत

● 'सन ऑफ सरदार 2' को मिली प्रतिक्रिया पर जताई खुशी

अभिनेत्री कुब्रा सैत जल्द ही काजोल के साथ 'ट्रायल सीजन 2' में नजर आएंगी। हाल ही में उन्होंने फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में काम किया था। अमर उजाला से बातचीत में कुब्रा ने अपनी फिल्मों के अनुभव, इंडस्ट्री में आए बदलाव और आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में विस्तार से चर्चा की।

अजय देवगन के साथ 'सन ऑफ सरदार 2' में काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए कुब्रा ने बताया कि मुझे याद है पहली मीटिंग डायरेक्टर और टीम के साथ हुई थी। तभी लगा कि मेरा किरदार बिल्कुल वैसा ही है जैसा मैं चाहती थी। स्क्रिप्ट देखकर बहुत अच्छा लगा और महसूस हुआ कि मैं इसे सही तरीके से निभा सकती हूं। हां, शूटिंग और वीजा की तैयारियां थोड़ी तनावपूर्ण थीं, लेकिन शुरुआत से ही बहुत खुशी और उत्साह था। हर दिन सेट पर कुछ नया और मजेदार होता था। फिल्म के क्लाइमेक्स सीन से जुड़ा किस्सा बताते हुए उन्होंने कहा कि क्लाइमेक्स सीन स्कॉटलैंड की ठंडी हवाओं में शूट हुआ था, जहां सबके दांत कांप रहे थे। लेकिन सेट पर हंसी और मस्ती का माहौल था। संजय मिश्रा और दीपक डोबरियाल के साथ मेरे सारे सीन्स बहुत मजेदार और एनर्जेटिक थे। हर दिन सेट पर कुछ न कुछ ऐसा हुआ जो हमेशा याद रहेगा।

फिल्म 'चिरंजीवी हनुमान' के प्रोड्यूसर पर भड़के अनुराग कश्यप, बोले-

इनका मकसद सिर्फ पैसे कमाना

बॉलीवुड निर्देशक अनुराग कश्यप अपने बेबाक बयानों के लिए हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। इस बार उन्होंने निशाना साधा है आने वाली एआई-जनरेटेड फिल्म 'चिरंजीवी हनुमान - द इटरनल' पर। यह फिल्म अबंडेंटिया एंटरटेनमेंट और कलेक्टिव मीडिया नेटवर्क के हिस्ट्रीवर्स द्वारा घोषित की गई है और दावा किया जा रहा है कि यह भारत की पहली बड़ी मेड इन एआई मेड इन इंडिया फिल्म होगी, जिसकी रिलीज हनुमान जयंती 2026 पर तय की गई है।

क्यों भड़के अनुराग कश्यप?

कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क के फाउंडर-सीईओ और फिल्म के निर्माता विजय सुब्रमण्यम पर अनुराग कश्यप आगबबूला हो गए। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर कर सीधे विजय को आड़े हाथों लिया। अनुराग ने लिखा कि एक तरफ वो कलाकारों, लेखकों और निर्देशकों का प्रतिनिधित्व करते हैं और दूसरी तरफ एआई से बनी फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। कश्यप के मुताबिक, ये उन रचनाकारों के हितों से सीधा विश्वासघात है, जिनकी मेहनत और प्रतिभा पर ये एजेंसियां टिकी हुई हैं।

पैसे के लिए सबकुछ- कश्यप का आरोप

अनुराग ने अपने नोट में एजेंसियों पर यह आरोप भी लगाया कि उनका मकसद केवल पैसे कमाना है। उन्होंने कहा कि जब कलाकार उनके लिए पर्याप्त मुनाफा नहीं कमा पाते, तो ये एजेंसियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा ले लेती हैं। उन्होंने कहा, जिस किसी भी अभिनेता या कलाकार में आत्मसम्मान है, उसे इस एजेंसी से सवाल करना चाहिए या इसे छोड़ देना चाहिए। उन्होंने विजय सुब्रमण्यम पर तंज कसते हुए लिखा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के ऐसे लोग रीढ़विहीन हैं और ऐसे लोगों की जगह गटर में है।

विस्टा विलेज के लिए मलयालम सीखना एक चुनौती थी: सनी लियोनी

एक्ट्रेस सनी लियोनी के नाम एक और उपलब्धि जुड़ने वाली है। वो बहुत जल्द साउथ इंडियन सिनेमा में डेब्यू करने वाली हैं। वो साउथ की पहली फिल्म करने जा रही हैं। इसका नाम होगा 'विस्टा विलेज'। इस फिल्म में काम करने का अनुभव कैसा रहा, क्या चुनौतियां सामने आईं, इस बारे में सनी लियोनी ने बात की है। सनी ने कहा, विस्टा विलेज में काम करना मेरे लिए एक बहुत ही खास अनुभव रहा है। मलयालम सीखना निश्चित रूप से एक चुनौती थी, लेकिन साथ ही बहुत फायदेमंद भी रही और इसने मुझे अपने किरदार से जुड़ने में मदद की। कासरगोड के खूबसूरत, दुर्गम इलाकों में शूटिंग करना वाकई यादगार रहा और मुझे केरल में हमेशा बहुत प्यार मिला है। मैं इस फिल्म के लिए वाकई बहुत उत्साहित हूं, खासकर इसकी रिलीज को लेकर। यह फिल्म चार भाषाओं में रिलीज हो रही है और मैं बेसब्री से इसका इंतजार कर रही हूं। इस फिल्म को तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी में भी रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म की शूटिंग केरल के कासरगोड के सुदूर इलाकों में की गई है और इसमें मलयालम सिनेमा के लगभग 40 कलाकारों के साथ शूटिंग हुई है। उनके साथ-साथ बॉलीवुड, कश्मीर, पंजाब और अन्य क्षेत्रों के कलाकार भी इसमें हैं। इसकी स्टोरी पारिवारिक ड्रामा, कॉमेडी, सस्पेंस और युवाओं को ध्यान में रखकर लिखी गई है। विस्टा विलेज इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म में से एक है। सनी लियोनी की यह पहली दक्षिण भारतीय फिल्म है, जिसके लिए फैंस उत्साहित दिख रहे हैं। उनके फैंस उन्हें मूवी में नए अवतार में देखने के लिए बेकरार हैं। इस फिल्म को डब्लूएममूवीज प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया जा रहा है। इसके निर्देशक पम्पल्ली हैं। हाल ही में इसके टाइटल लॉन्च की तस्वीरें सोशल मीडिया पर मेकर्स ने शेयर की थीं। यह मूवी जल्द ही फ्लोर पर आएगी।

मैंने जासूसी फिल्में देखकर किरदारों के हाव-भाव और शारीरिक भाषा को समझा: नीरू बाजवा

अभिनेत्री नीरू बाजवा जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'तेहरान' में नजर आएंगी। उन्होंने अपने किरदार की तैयारी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जासूसी फिल्मों ने इस किरदार के लिए उनकी बहुत मदद की। नीरू ने बताया कि किरदार के फिजिकल लैंग्वेज को समझने के लिए उन्होंने ढेरों जासूसी फिल्में देखीं। नीरू ने कहा, मैंने कोई खास रिहर्सल या एक्टिंग नहीं की थी। मैंने सिर्फ जासूसी फिल्में देखकर किरदारों की चाल-ढाल, हाव-भाव और शारीरिक भाषा को समझा। इस सहज तरीके से उन्हें सेट पर स्वाभाविक अभिनय करने में मदद मिली, जिससे उनके किरदार में और भी गहराई आई। नीरू ने अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम की तारीफ करते हुए कहा, जॉन बहुत विनम्र और सकारात्मक इंसान हैं। उन्होंने सेट पर सभी को सहज रखा, जिससे हमारा काम और भी बेहतर हुआ। उन्होंने जॉन के साथ अभिनय को एक शानदार अनुभव बताया और कहा, जॉन एक बेहतरीन को-एक्टर हैं। उनकी एनर्जी और जोश कमाल है। एक अच्छा को-एक्टर आपके अभिनय को निखारता है और तेहरान में जॉन ने ऐसा ही किया। नीरू ने फिल्म को चुनने की वजह साझा करते हुए कहा, मेरे किरदार की मजबूती और स्पष्टता ने मुझे आकर्षित किया। यह एक ऐसी महिला की कहानी है, जो मुश्किल हालात में भी सिद्धांतों पर अडिग रहती है। मुझे गर्व है कि मैं एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हूं जो अपने विश्वासों के लिए डटकर खड़ी होती है। उन्होंने तेहरान को एक ऐसी फिल्म बताया जो न केवल मनोरंजन करती है, बल्कि सोचने पर भी मजबूर करती है। नीरू ने कहा, यह एक साहसी और बेबाक कहानी है, जिसका हिस्सा बनकर मुझे खुशी है। अरुण गोपालन द्वारा निर्देशित फिल्म तेहरान को मैडॉक फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। वहीं, इसमें जॉन अब्राहम, मानुषी छिल्लर, नीरू बाजवा, मधुरिमा तुली और अभिजीत लाहिरी जैसे स्टार्स शामिल हैं। फिल्म सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जी5 पर स्ट्रीम हो रही है।

जंगल, प्यार और खून-खराबा.. हॉरर लव स्टोरी थामा का टीजर रिलीज

प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स अपनी हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स के लिए जाना जाता है। स्त्री, स्त्री 2, और भेड़िया जैसी फिल्मों के बाद अब इस यूनिवर्स की अगली फिल्म थामा आ रही है, जिसका टीजर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। इसमें रोमांस के साथ-साथ हॉरर और एक्शन का अनोखा मेल देखने को मिल रहा है। फिल्म में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं। टीजर की शुरुआत एक घने जंगल से होती है, जहां आयुष्मान और रश्मिका एक-दूसरे के साथ समय बिता रहे हैं। इस दौरान बैकग्राउंड से आवाज आती है, रह पाओगी मेरे बिना? 100 साल तक? और इस पर एक्ट्रेस जवाब देती है, 100 साल तो क्या, एक पल के लिए भी नहीं। इस डायलॉग के बाद कहानी भयानक मोड़ लेती है। आयुष्मान और रश्मिका की लव स्टोरी के बीच टीजर में डरावने और थ्रिल से भरपूर सीन आते हैं। जंगल में कुछ अजीब घटनाएं होती हैं।

आयुष्मान जानवरों और खतरनाक ताकतों से लड़ते नजर आते हैं। टीजर की लंबाई करीब 1 मिनट 49 सेकंड है और इसमें कई ऐसे सीन हैं, जिन्हें देख आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। इसमें मलाइका अरोड़ा के डांस की झलक भी है। वहीं, वेब सीरीज पंचायत के प्रह्लाद चा यानी फैसल मलिक भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल जैसे दिग्गज कलाकार भी फिल्म में नजर आएंगे। टीजर के आखिर में नवाजुद्दीन सिद्दीकी डरावने लुक में दिखते हैं और कहते हैं, पिछले 75 सालों से कोई रोमांस नहीं देखा मैंने... चालू रखो। इस झलक से स्पष्ट है कि फिल्म में रोमांस के साथ-साथ हॉरर, एक्शन, और थ्रिल का जबरदस्त तड़का है। फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है। मैडॉक फिल्म्स ने इसे अपनी पहली हॉरर लव स्टोरी बताया है। इंस्टाग्राम पर फिल्म के टीजर को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, ना डर कभी इतना शक्तिशाली था, और ना प्यार कभी इतना खूनी।

क ु छ सितारे ऐसे होते हैं जिन्हें अपनी पहचान बनाने के लिए रेड कार्पेट की चमक-दमक की ज़रूरत नहीं होती, पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना उन्हीं में से एक हैं। हाल ही में मुंबई की एक टैक्सी में नज़र आई इस पैन-इंडिया अभिनेत्री ने एक आम-सी सवारी को भी सिनेमा जैसे ग्लैमर में बदल दिया।

राशि खन्ना ने मुंबई की रोज़मर्रा की ज़िंदगी को बना दिया एक सौंदर्यशास्त्र की क्लास

राशि खन्ना ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, हर ब्लू बुरा नहीं होता, कुछ शहर के नज़ारे के साथ आते हैं। ब्लू कॉटेज-कोर आउटफिट में राशि की दमकती त्वचा और सहज सुंदरता ने एक अलग ही आकर्षण बिखेरा। उनके चेहरे के पास ढीले, सॉफ्ट कर्ल्स उनके लुक में एक मासूम, प्लेफुल टच जोड़ते हैं, वहीं सादगी और एलिगेंस का सही संतुलन भी रखते हैं। पीछे की ओर दिखती ब्लैक-एंड-येलो टैक्सी इस लुक को एक वास्तविक, शहरी एहसास देती है – जो साबित करती है कि फैशन जितना पहनावे से ज़्यादा नज़रिए से जुड़ा है। जो बात सबसे अलग नज़र आती है, वह है राशि का शहर की एनर्जी में खुद को पूरी तरह ढाल लेना, फिर भी हर निगाह खुद पर टिकाए रखना। यह एक ऐसा स्टाइल मोमेंट है जो विरोधाभासों का जश्न मनाता है – सड़कों की कठोर हकीकत और रोज़मर्रा की सुंदरता के बीच की दिलचस्प टक्कर, जो एस्पिरेशनल लेकिन रियल लगती है।

प्रभास बहुत बड़े स्टार, फिर भी पहले सी मासूमियत बरकरार: श्रीदेवी विजयकुमार

अभिनेत्री श्रीदेवी विजयकुमार निर्देशक वेंकटेश निम्मालापुडी की अपकमिंग तेलुगु फिल्म सुंदरकांड में नारा रोहित के साथ मुख्य भूमिका में फिर से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी दोस्ती आज भी प्रभास के साथ वैसी ही है जैसी पहली थी। अभिनेत्री ने सुपरस्टार प्रभास की तारीफ की। उन्होंने बताया कि भले ही प्रभास आज बड़े पैन इंडिया स्टार बन चुके हैं, लेकिन उनकी दोस्ती आज भी पहले जैसी ही है। बता दें, श्रीदेवी विजयकुमार ने बतौर बाल कलाकार अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी, लेकिन प्रभास के साथ उनकी पहली फिल्म ईश्वर में उन्होंने मुख्य नायिका के रूप में डेब्यू किया था। इस फिल्म का निर्देशन जयंत सी. परांजी ने किया था। सुंदरकांड के प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्रीदेवी से प्रभास के साथ उनकी दोस्ती के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, प्रभास के साथ मेरी दोस्ती आज भी पहले जैसी ही है। प्रभास अब एक बड़े स्टार बन चुके हैं, लेकिन वे जरा भी नहीं बदले। श्रीदेवी ने बताया कि प्रभास आज भी वैसे ही मुस्कुराते हैं और उसी मासूमियत से बात करते हैं जैसे पहले किया करते थे। उन्होंने बताया कि जब वे ईश्वर फिल्म कर रहे थे, तभी पूरी टीम को यह अहसास हो गया था कि प्रभास एक बहुत बड़े स्टार बनेंगे। एक्ट्रेस ने कहा, हम सबको ईश्वर के समय ही पता चल गया था कि प्रभास एक सुपरस्टार बनेंगे। जब हम फिल्म की सक्सेस टूर पर गए थे, तब वहां पर बड़ी भीड़ जमा हो गई थी। प्रभास हमारी उम्मीद से भी बड़े स्टार बन गए हैं। अपनी वापसी और फिल्म सुंदरकांड के बारे में श्रीदेवी ने कहा, मुझे दोबारा फिल्मों में आकर बहुत खुशी हो रही है। हर एक्टर चाहता है कि उसे एक अच्छा किरदार मिले। इस फिल्म में मेरा किरदार बहुत सार्थक है। दर्शक के तौर पर मुझे यह फिल्म बहुत पसंद आई। इसका आउटपुट कमाल का है। यह ताजा और नया कंटेंट है। सुंदरकांड का निर्माण संतोष चिन्नापोल्ला, गौतम रेड्डी और राकेश महंकाली द्वारा संदीप पिक्चर पैलेस (एसपीपी) बैनर के तहत किया जा रहा है। यह फिल्म 27 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

BCCI ने वर्ल्ड कप के लिए भारतीय महिला टीम का किया ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से शुरू होकर यह टूर्नामेंट 8 टीमों के बीच खेला जाएगा। नीतू डेविड की अगुवाई वाली महिला चयन समिति ने 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी है। टीम की घोषणा के बाद नीतू डेविड ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरी स्क्वॉड का ऐलान किया। इस बड़े टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी।

शेफाली वर्मा को टीम इंडिया में जगह नहीं मिली: आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के लिए स्मृति मंधाना को उपकप्तान बनाया गया है, जो लंबे समय से यह जिम्मेदारी निभा रही हैं। टीम में प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा और जेमिमा रॉड्रिग्स जैसी स्टार खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। हालांकि, शेफाली वर्मा को इस बार टीम से बाहर रखा गया है। हाल के दिनों में उनका प्रदर्शन खास नहीं रहा और इसी कारण उन्हें स्क्वॉड में जगह नहीं मिल पाई। फिलहाल वह भारतीय ए टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं।

टीम इंडिया का वर्ल्ड कप 2025 शेड्यूल घोषित : आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 में भारत अपना पहला मुकाबला 30 सितंबर को श्रीलंका के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद 5 अक्टूबर को टीम का सामना पाकिस्तान से होगा। 9 अक्टूबर को भारत का मैच साउथ अफ्रीका से, 12 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से, 19 अक्टूबर को इंग्लैंड से, 23 अक्टूबर को न्यूजीलैंड से और 26 अक्टूबर को बांग्लादेश से होगा। यह टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल पर आयोजित होगा। पाकिस्तान अपने सभी मैच कोलंबो के न्यूट्रल वेन्यू पर खेलेगा, जबकि भारत में मुकाबले बेंगलुरु, इंदौर, गुवाहाटी और विशाखापत्तनम में होंगे।

● वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का स्क्वॉड :

कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ टीम में शामिल हैं:- स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, रेणुका सिंह, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष, क्रांति गौड़, अमनजोत कौर, राधा यादव, स्त्री चरणी, यास्तिका भाटिया और स्नेह राणा।

केशव महाराज बने नंबर वन गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज बुधवार को आईसीसी द्वारा जारी वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। महाराज ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 विकेट लेकर सीरीज के पहले वनडे में दक्षिण अफ्रीका की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। केशव महाराज दो स्थान की छलांग लगाते हुए 687 अंक के साथ पहले स्थान पर पहुंच गए हैं।

श्रीलंका के महेश तीक्ष्णा और भारत के कुलदीप यादव को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है। तीक्ष्णा दूसरे जबकि कुलदीप तीसरे स्थान पर चले गए हैं। नामीबिया के बर्नार्ड स्कोल्ट्ज चौथे, अफगानिस्तान के राशिद खान पांचवें, न्यूजीलैंड के मिचेल सेंटनर छठे, न्यूजीलैंड के मैट हेनरी सातवें, श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा आठवें, भारत के रवींद्र जडेजा नौवें और ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा दसवें स्थान पर हैं।

शीर्ष 10 गेंदबाजों में 9 गेंदबाज स्पिनर हैं। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी एकमात्र तेज गेंदबाज हैं, जिनका नाम वनडे के शीर्ष दस गेंदबाजों की सूची में शामिल है। केशव महाराज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मंगलवार को हुए वनडे मैच में 10 ओवर में 33 रन देकर 5 विकेट लिए। उनके दमदार प्रदर्शन के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 98 रन से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 297 रन की जरूरत थी।

केशव महाराज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए मैच में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। महाराज दक्षिण अफ्रीका की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 300 विकेट लेने वाले पहले स्पिनर बन गए हैं। महाराज ने 59 टेस्ट में 203, 49 वनडे में 63 और 39 टी20 में 38 विकेट लिए हैं। उनके कुल अंतरराष्ट्रीय विकेटों की संख्या 304 है।

शॉन पोलॉक 823 विकेटों के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के सबसे सफल गेंदबाज हैं। पोलॉक ने 421 टेस्ट, 387 वनडे और 15 टी20 विकेट लिए हैं।

Bo&ing:

विश्व चैंपियनशिप से पहले भारतीय मुक्केबाजों का ब्रिटेन अभ्यास दौरा बाधित

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व चैंपियनशिप से पहले भारतीय मुक्केबाजों की अभ्यास के लिये ब्रिटेन यात्रा वीजा मिलने में विलंब के कारण बाधित हो गई है। भारतीय दल को रविवार को कई देशों के अभ्यास शिविर में भाग लेने शेफील्ड जाना था । चार से 14 सितंबर तक लिवरपूल में होने वाली विश्व चैंपियनशिप की तैयारी के लिये यह शिविर अहम माना जा रहा है। सिर्फ चार महिला मुक्केबाजों और कोचिंग स्टाफ के छह सदस्यों को ही वीजा मिल सका और वे ब्रिटेन पहुंचे हैं। दस सदस्यीय भारतीय पुरूष टीम और छह महिला मुक्केबाज अभी भी एनआईएस पटियाला में हैं और वीजा मिलने का इंतजार कर रहे हैं। इस समय पुरूष मुक्केबाजों के पास सिर्फ एक कोच है क्योंकि मुख्य कोच धर्मेंद्र यादव समेत तीन अन्य कोच शेफील्ड में हैं। यादव ने कहा, हम तीन यहां पहुंच गए हैं लेकिन बाकी पुरूष मुक्केबाज वीजा का इंतजार कर रहे हैं। हमें बुधवार से अभ्यास शुरू करना था लेकिन इसे रद्द करना पड़ा क्योंकि हमें नहीं पता कि वीजा कब मिलेगा और मुक्केबाज यहां कब पहुंचेंगे। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के कामकाज का संचालन कर रही अंतरिम समिति ने कहा कि वह ब्रिटेन में भारतीय दूतावास, खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के लगातार संपर्क में है। समिति के सदस्य अर्जुन मलिक ने कहा, लेकिन प्रक्रिया स्वचालित है जिससे किसी भी दखल से विलंब का समाधान नहीं निकल सकता । हमारी तरफ से पूरी तैयारी है लेकिन तस्वीर साफ होने पर ही बाकी सदस्य बिना विलंब के ब्रिटेन पहुंच सकेंगे ।

● वीजा विलंब से एथलीट परेशान

अभी तक 31 सदस्यीय दल में से 12 सदस्य इंग्लैंड पहुंच पाए हैं। दो बार की विश्व चैम्पियन निकहत जरीन, मीनाक्षी, पूजा रानी और नुपूर शेरोन ही शेफील्ड पहुंच सके हैं। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन, राष्ट्रमंडल खेल पदक विजेता जैसमीन लंबोरिया, एशियाई खेलों के पदक विजेता नरेंदर समेत बाकी अभी पटियाला में ही हैं। शिविर में आयरलैंड, फ्रांस, जर्मनी, उजबेकिस्तान, अमेरिका और पोलैंड समेत कई देशों के मुक्केबाज भाग ले रहे हैं।

एशिया कप के लिए श्रेयस अय्यर की जगह बनाई जा सकती थी: चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 के लिए बीसीसीआई ने 19 अगस्त को टीम की घोषणा कर दी। 15 सदस्यीय टीम में श्रेयस अय्यर को जगह नहीं मिली है। पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि श्रेयस अय्यर को रिजर्व खिलाड़ी के रूप में एशिया कप के लिए टीम के साथ रखा जा सकता है।

आकाश चोपड़ा ने कहा है कि श्रेयस अय्यर को टीम से बाहर रखने की वजह से उनके टी20 करियर को लेकर बोर्ड की तरफ से कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिल रहा है। पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने बुधवार को अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, श्रेयस अय्यर ने शॉर्ट गेंद के खिलाफ अपनी कमजोरी में सुधार किया है। स्पिन को बेहतर खेलते हैं। आईपीएल में 175 की स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए और अपनी कप्तानी में पंजाब किंग्स को फाइनल में लेकर गए। इसके बावजूद उन्हें एशिया कप की मुख्य और रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में जगह न मिलना हैरान करता है।

आकाश चोपड़ा ने कहा कि यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल और प्रसिद्ध कृष्णा का नाम रिजर्व खिलाड़ियों में है, लेकिन यहां भी श्रेयस का नाम नहीं है। रिजर्व सूची में उनका नाम होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि श्रेयस अय्यर को टीम में आने के लिए और क्या करना होगा। श्रेयस जो कर चुके हैं, उससे ज्यादा क्या कर सकते हैं? आईपीएल में अपनी कप्तानी में पंजाब को फाइनल में ले गए, 600 से अधिक रन बनाए, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में रन बनाए और टीम को चैंपियन बनाया, रणजी खेला और चैंपियंस ट्रॉफी जीती। एक इंसान के तौर पर आप बस इतना ही कर सकते हैं। आकाश ने कहा कि यह एशिया कप है।

इसे विश्व कप से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। मेरा मानना है कि अगर श्रेयस वनडे मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते रहे तो टी20 विश्व कप 2026 की टीम में जगह बना सकते हैं। मुझे यकीन है कि वह टी20 विश्व कप का हिस्सा होंगे।

श्रेयस अय्यर भारत की तरफ से 51 टी20 मैचों की 47 पारियों में 136.13 की स्ट्राइक रेट से 1,104 रन बना चुके हैं। इस दौरान 8 अर्धशतक उन्होंने लगाए हैं। सर्वाधिक स्कोर 74 है।

रोहित शर्मा-विराट कोहली को ढ्रष्टष्ट ने वनडे बैटिंग रैंकिंग से किया बाहर?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वनडे क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा व स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को आईसीसी ने अपनी ताजा वनडे बैटिंग रैंकिंग से बाहर कर दिया। आईसीसी ने वनडे बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग 20 अगस्त को जारी की, लेकिन इसमें टॉप 10 में कोहली और रोहित नजर नहीं आए जो इससे पहले की रैंकिंग में टॉप 10 में शामिल थे। आईसीसी ने जब वनडे के बल्लेबाजों की पिछली रैंकिंग जारी की थी उसमें रोहित शर्मा ने बाबर आजम को पीछे छोड़ दिया था और वो दूसरे नंबर पर पहुंच गए थे। वहीं विराट कोहली उस रैंकिंग में चौथे स्थान पर थे, लेकिन अब ताजा रैंकिंग में दोनों के नाम गायब हैं। अभी की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर बाबर आजम पहुंच गए हैं जबकि चौथे नंबर पर अभी चरित असलंका है। अब टॉप 10 से कोहली और रोहित का नाम आईसीसी ने क्यों हटा दिया और इसका क्या मतलब है इसका जबाव अभी आईसीसी के पास ही है। यहां सवाल ये है कि पिछ्ली रैंकिंग के बाद जब बाबर आजम ने कोई मैच नहीं खेला है तो उन्होंने दूसरा स्थान कैसे हासिल कर लिया साथ ही साथ वो दूसरे नंबर पर पहुंच गए। चलिए माना कि बाबर दूसरे नंबर पर चले भी गए तो रोहित शर्मा टॉप 10 से बाहर कैसे हो गए। उन्होंने कोई मैच नहीं खेला तो वो गिरकर नीचे आ सकते थे, लेकिन उन्हें रैंकिंग से एकदम से बाहर किया जाना तो कुछ ज्यादा ही अजीब लगता है।

Sinquefield Cup Chess:

सिंकफील्ड कप में गुकेश की जीत, अब्दुसत्तोरोव को हराकर की जबरदस्त वापसी

सेंट लुई (अमेरिका), एजेंसी। पहले दौर में अपने साथी भारतीय खिलाड़ी गुकेश को हराने वाले आर प्रज्ञानंद ने दूसरे दौर में अमेरिका के फैबियानो कारूआना के साथ अंक बांटे। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने शुरुआती दौर की असफलता को पीछे छोड़ते हुए यहां सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में उज्बेकिस्तान के पूर्व विश्व रैपिड चैंपियन नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव पर शानदार जीत दर्ज की।

पहले दौर में अपने साथी भारतीय खिलाड़ी गुकेश को हराने वाले आर प्रज्ञानंद ने दूसरे दौर में अमेरिका के फैबियानो कारूआना के साथ अंक बांटे। एक अन्य मैच में फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने पोलैंड के डूडा जान-क्रिज़्सटॉफ़ को हराया। अमेरिका के लेवोन अरोनियन ने हमवतन सैमुअल सेवियन के साथ ड्रॉ खेला और संयुक्त बढ़त बनाए रखी। एक अन्य अमेरिकी वेस्ली सो ने 10 खिलाड़ियों के 3,75,000 डॉलर इनामी टूर्नामेंट में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ ड्रॉ खेला।

अब जबकि सात दौर का खेल होना बाकी है तब प्रज्ञानंद, अरोनियन और फिरोजा 1.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। गुकेश, कारूआना, वेस्ली सो, सेवियन और वाचियर-लाग्रेव संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। डूडा आधे अंक के साथ नौवें स्थान पर हैं, जबकि अब्दुसत्तोरोव लगातार दूसरी बाजी हारने के बाद अभी तक अपना खाता नहीं खोल पाए हैं।

सालाह इंग्लिश फुटबॉल के साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए, महिलाओं में कैल्डेन्टी को अवॉर्ड

लंदन, एजेंसी। इस पुरस्कार के लिए इंग्लैंड में खेलने वाले साथी पेशेवर खिलाड़ी मतदान करते हैं। सालाह ने रिकॉर्ड तीसरी बार यह पुरस्कार जीता है। लिवरपूल के फॉरवर्ड मोहम्मद सालाह को मंगलवार को प्रोफेशनल फुटबॉलर्स एसोसिएशन पुरस्कारों में पिछले सत्र के लिए इंग्लिश फुटबॉल में साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष चुना गया। वहीं, महिलाओं में आर्सेनल की मिडफील्डर मैरियोना कैल्डेन्टी ने यह अवॉर्ड जीता।

इस पुरस्कार के लिए इंग्लैंड में खेलने वाले साथी पेशेवर खिलाड़ी मतदान करते हैं। सालाह ने रिकॉर्ड तीसरी बार यह पुरस्कार जीता है। मिस्र के इस 33 वर्षीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने प्रीमियर लीग में 29 गोल किए, जिसकी बदौलत लिवरपूल ने रिकॉर्ड 20वीं बार चैंपियनशिप जीती। सालाह ने इस वर्ष के शुरू में तीसरी बार फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन का फुटबॉलर ऑफ द ईयर पुरस्कार भी जीता था।

महिला वर्ग में 29 वर्षीय कैल्डेन्टी ने आर्सेनल के साथ अपने पहले सत्र में शानदार प्रदर्शन किया और सभी प्रतियोगिताओं में 19 गोल किए। एस्टन विला के मिडफील्डर मॉर्गन रोजर्स को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष युवा खिलाड़ी चुना गया, जबकि सबसे अधिक कीमत पर आर्सेनल से जुड़ने वाली कनाडा की स्ट्राइकर ओलिविया स्मिथ ने महिला वर्ग में यह पुरस्कार हासिल किया।

फुटबॉल की अन्य खबरों में किलियन एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड के साथ अपने दूसरे सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए पेनल्टी को गोल में बदला, जिससे उनकी टीम ने मंगलवार को स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के अपने पहले मैच में ओसासुना पर 1-0 से जीत दर्ज की।

पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड से जुड़ने वाले एमबाप्पे ने 51वें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदलकर मेजबान टीम को जीत दिलाई। एमबाप्पे ने इस तरह से रियाल मैड्रिड के साथ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने पिछले सत्र में क्लब की तरफ से सर्वाधिक गोल किए थे।

रियाल मैड्रिड ने इस तरह से अपने चिर प्रतिद्वंद्वी बार्सिलोना की तरह नए सत्र की जीत से शुरुआत की। बार्सिलोना ने शनिवार को मालोर्का पर 3-0 की आसान जीत दर्ज की थी।

Asia Cup Hockey:

एशिया कप के लिए भारतीय हॉकी टीम का एलान, लाकड़ा और दिलप्रीत को जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान बुधवार को किया गया जिसमें फॉरवर्ड शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह ने अपनी जगह बरकरार रखी है। टूर्नामेंट 29 अगस्त से सात सितंबर तक खेला जायेगा जिसके विजेता को अगले साल एफआईएच पुरूष विश्व कप में सीधे प्रवेश मिलेगा जो 14 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में होना है। ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह टीम के कप्तान हैं । राजिंदर सिंह, लाकड़ा और दिलप्रीत आस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम का हिस्सा थे। राजिंदर को शमशेर सिंह की जगह चुना गया, जबकि लाकड़ा ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहने वाले ललित उपाध्याय की जगह ली है। दिलप्रीत को गुरजंत सिंह पर तरजीह मिली है। स्ट्राइकर ललित उपाध्याय ने जून में एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण के बाद अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास ले लिया था। भारत को एशिया कप में जापान, चीन और कजाखस्तान के साथ पूल ए मिला है। भारतीय टीम 29 अगस्त को चीन के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। इसके बाद 31 अगस्त को जापान और एक सितंबर को कजाखस्तान से खेलना है।

गोलकीपिंग का दारोमदार कृशन बी पाठक और सूरज करकेरा पर होगा। डिफेंस में हरमनप्रीत और अमित रोहिदास के साथ जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह हैं। मिडफील्ड में मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, लाकड़ा और दिलप्रीत जिम्मा संभालेंगे। नीलम संजीप सेस और सेल्वम कार्ति को रिजर्व में रखा गया है। टीम चयन के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा, हमने अनुभवी टीम चुनी है । विश्व कप क्वालीफिकेशन को देखते हुए एशिया कप हमारे लिए महत्वपूर्ण है लिहाजा हमें दबाव में अच्छा खेलने वाले खिलाड़ी चाहिए।

भारतीय टीम इस प्रकार है

गोलकीपर- सूरज करकेरा, कृशन बी पाठक

डिफेंडर- हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास , जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह

मिडफील्ड- मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह

फॉरवर्ड- मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह

रिजर्व खिलाड़ी- नीलम संजीप सेस और सेल्वम कार्ति।

इजराइली सेना की गाजा में व्यापक सैन्य अभियान के नए चरण की योजना

» यरुशलम, भाषा।

इजराइल आने वाले दिनों में गाजा शहर में एक व्यापक सैन्य अभियान शुरू करने की तैयारी में जुटा है। वहीं दूसरी ओर वार्ताकार इजराइल और हमास के बीच 22 महीनों से जारी संघर्ष समाप्त करने के लिए युद्धविराम की कोशिशों में लगे हुए हैं इजराइली सेना ने बुधवार को बताया कि रक्षा मंत्री ने गाजा के कुछ सबसे घनी आबादी वाले इलाकों में अभियान के एक नए चरण की शुरुआत की योजना को मंजूरी दे दी है। सेना के मुताबिक, 60,000 रिजर्व सैनिकों को बुलाया जाएगा और वर्तमान में सेवारत अतिरिक्त 20,000 रिजर्व सैनिकों की सेवा अवधि बढ़ाई जाएगी।

इजराइली सेना का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब मानवाधिकार समूहों ने चेतावनी दी है कि गाजा में मानवीय संकट और भी बदतर हो सकता है। समूहों ने कहा कि गाजा में अधिकांश निवासी विस्थापित हो गए हैं, विशाल इलाके खंडहर में तब्दील हो गए हैं और लोगों पर अकाल का खतरा मंडरा रहा है। अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि सेना गाजा शहर के उन हिस्सों में अभियान चलाएगी, जहां इजराइली सेना ने अभी तक कार्रवाई नहीं की है और जहां हमास अब भी सक्रिय है। अधिकारी ने बताया कि इजराइली सैनिक इस अभियान का आधार तैयार करने के लिए गाजा शहर के जितून व जबालिया इलाकों में पहले से ही काम कर रहे हैं तथा इसके लिए आने वाले दिनों में चीफ ऑफ स्टाफ से मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

280 फुट की ऊंचाई पर तने के भीतर एक खोखले हिस्से में गर्मी का स्रोत पाया गया

दक्षिणी ओरेगन के निकट दुनिया के सबसे ऊंचे वृक्षों में से एक में लगी आग बुझाने का प्रयास जारी

» पोर्टलैंड (अमेरिका), भाषा।

अमेरिका के ओरेगन राज्य में अधिकारियों ने तटीय क्षेत्र के दक्षिणी भाग में स्थित दुनिया के सबसे ऊंचे वृक्षों में से एक में लगी आग को बुझाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। यह आग 325 फुट से अधिक ऊंचे डोएर्नर फर नामक एक डगलस फर वृक्ष में लगी है, जिसकी आयु लगभग 450 वर्ष मानी जा रही है। यह वृक्ष कूज़ काउंटी स्थित ओरेगन के कोस्ट रेंज में है, और शनिवार से इसमें आग लगी हुई है। संघीय ब्यूरो ऑफ लैंड मैनेजमेंट की प्रवक्ता मेगन हार्पर ने बताया कि मंगलवार को एक इन्फ्रारेड ड्रोन उड़ान के दौरान वृक्ष के शीर्ष पर कोई लपटें या धुआं नहीं दिखा, लेकिन लगभग 280 फुट की ऊंचाई पर तने के भीतर एक खोखले हिस्से में गर्मी का स्रोत पाया गया। हार्पर ने बताया कि वृक्ष के किनारे से उस खोखले हिस्से तक पहुंच बनाकर पानी डालना चुनौतीपूर्ण कार्य है।

इसके लिए विभिन्न विकल्पों पर विचार किया जा रहा है, जिनमें आसपास के वृक्षों पर चढ़कर उचित स्थिति पर पहुंचना, मचान बनाना, या इसे धीरे-धीरे सुलगने देना और निगरानी करना शामिल हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आग फिर से न भड़के। मंगलवार को अग्निशमन दल मौके पर तैनात रहा और आवश्यकता पड़ने पर पानी गिराने के लिए एक हेलीकॉप्टर भी तैयार स्थिति में रखा गया। कूज़ फॉरेस्ट प्रोटेक्टिव एसोसिएशन ने सोमवार को बताया कि हेलीकॉप्टर की मदद से पानी गिराने के बाद वृक्ष के ऊपरी हिस्से में आग की तीव्रता में कमी आई है। आग को फैलने से रोकने के लिए घेराबंदी की गई है। आग से वृक्ष की वैश्विक ऊंचाई रैंकिंग पर प्रभाव पड़ सकता है।

हार्पर ने कहा, हमने आग और गिरते हुए हिस्सों के कारण लगभग 50 फुट ऊपरी भाग खो दिया है। इसलिए अभी यह कहना मुश्किल है कि यह अब किस स्थान पर रहेगा, लेकिन यह अब भी एक विशाल वृक्ष है। आग लगने के कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है और इसकी जांच जारी है। हार्पर के अनुसार, यह क्षेत्र में जलता हुआ एकमात्र वृक्ष है और जांचकर्ता यह पता लगाने के लिए क्षेत्र में हालिया आकाशीय बिजली गिरने के आंकड़ों का विश्लेषण कर रहे हैं। फिलहाल, वृक्ष के पूरी तरह जलकर नष्ट होने का खतरा नहीं है। हार्पर ने कहा, इस समय ऐसा कोई खतरा नहीं है। यह वृक्ष बहुत बड़ा है कि इसमें इतनी अधिक सघनता है कि इसे पूरी तरह जलने में बहुत समय लगेगा। उन्होंने कहा कि अग्निशमन से जुड़े सभी लोग इस ऐतिहासिक वृक्ष को बचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि लोग इस वृक्ष से बहुत जुड़ाव महसूस करते हैं। इससे जुड़ी बहुत सी स्मृतियां हैं, और हम इसे खोना नहीं चाहते।

इजराइल ने वेस्ट बैंक को विभाजित करने वाली बस्ती परियोजना को मंजूरी दी

तेल अवीव, भाषा। इजराइल ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक में एक विवादास्पद बस्ती परियोजना को बुधवार को अंतिम मंजूरी दे दी, जो इस क्षेत्र को व्यावहारिक रूप से दो हिस्सों में विभाजित करेगी। वहीं, फलस्तीनियों और मानवाधिकार समूहों का कहना है कि यह योजना भविष्य में संभावित फलस्तीनी राष्ट्र की स्थापना की संभावनाओं को समाप्त कर सकती है। यरुशलम के पूर्व में खुले भूभाग ई-1 में बस्ती के विकास पर दो दशकों से अधिक समय से विचार किया जा रहा है, लेकिन अमेरिका के पूर्ववर्ती प्रशासनों के दबाव के कारण इस योजना को स्थगित कर दिया गया था। बुधवार को, इस परियोजना को योजना एवं निर्माण समिति से अंतिम मंजूरी मिल गई, क्योंकि इसके खिलाफ याचिकाएं छह अगस्त को खारिज कर दी गई थीं। अगर प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ी, तो अगले कुछ महीनों में बुनियादी ढांचे का काम शुरू हो सकता है और घरों का निर्माण लगभग एक साल में शुरू हो सकता है। पिछले बृहस्पतिवार को प्रेस वार्ता के दौरान, वित्त मंत्री बेजेलेल स्मोट्रिच ने कहा था कि इस योजना के तहत माले अदुमिम बस्ती के विस्तार की योजना है, जिसके तहत लगभग 3,500 अपार्टमेंट का निर्माण शामिल है।

सीरिया के शीर्ष राजनयिक और इजराइली प्रतिनिधिमंडल के बीच पेरिस में मुलाकात

बेरूत, भाषा। सीरिया के विदेश मंत्री ने मंगलवार को फ्रांस की राजधानी पेरिस में अमेरिका समर्थित बैठक के तहत इजराइली प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। हालिया कुछ समय में सीरिया और इजराइल के बीच तनाव बढ़ने के बावजूद दोनों देशों के रिश्तों को सामान्य बनाने के प्रयासों के तहत यह मुलाकात हुई है। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी सना की खबर के अनुसार विदेश मंत्री असद अल शेबानी ने तनाव कम करने और 1974 का संघर्ष विराम समझौता बहाल करने पर चर्चा के लिए इजराइली अधिकारियों से मुलाकात की। इस समझौते के तहत इजराइल और सीरिया के बीच एक असैन्य क्षेत्र बनाया गया था तथा शांति बनाए रखने के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति सेना तैनात की गई थी। बैठक का ब्यौरा सार्वजनिक नहीं किया गया है। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बातचीत की पुष्टि की है। अधिकारी ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को बताया, अमेरिका ऐसे किसी भी प्रयास का समर्थन करता रहेगा जिसके तहत इजराइल और उसके पड़ोसियों के बीच स्थाई स्थिरता व शांति स्थापित हो। सीरिया में बशर अल-असद के सत्ता से हटने के कुछ ही समय बाद, इजराइली सेना ने 1974 के समझौते के तहत सीरिया में स्थापित बफर जोन पर नियंत्रण कर लिया था और सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए थे।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार फरवरी 2026 में चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध : कानूनी सलाहकार

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश के कानूनी मामलों के सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा है कि देश की अंतरिम सरकार अगले साल फरवरी में आम चुनाव कराने की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग है। बुधवार को मीडिया में आईं खबरों में यह जानकारी दी गई है। सरकारी संस्था बांग्लादेश संगबाद संस्था (बीएसएस) ने नजरुल के हवाले से कहा, सरकार चुनाव की सभी तैयारियां करते हुए आगे बढ़ रही है। मंगलवार को कैबिनेट विभाग में एक बैठक के बाद उन्होंने कहा, चुनाव फरवरी में होंगे और इस पर सरकार का रुख अटल है। कानूनी सलाहकार की यह टिप्पणी चुनावों को लेकर बढ़ती अटकलों के बीच आई है। इससे पहले नेशनल सिटीजन पार्टी के नेताओं ने महत्वपूर्ण सुधारों और अंतरिम सरकार की ओर से शुरू किए गए मुकदमों के पूरा हुए बगैर अगले साल फरवरी में चुनाव होने की संभावना को खारिज कर दिया था।

इस मुद्दे पर टिप्पणी करते हुए, नजरुल ने कहा कि चुनाव के समय के बारे में राजनीतिक दलों के बयान राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, आप हमेशा से ऐसा देखते आ रहे हैं। बांग्लादेश में पारंपरिक रूप से ऐसे राजनीतिक बयान दिए जाते रहे हैं, और अब भी यही हो रहा है। इस विमर्श में कोई बड़ा गुणात्मक परिवर्तन नहीं आया है। इसलिए, चुनाव के समय के बारे में जो कुछ भी कहा जाता है, उसे राजनीतिक प्रक्रिया के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। नजरुल ने कहा कि हालांकि चुनाव कराने की जिम्मेदारी अंततः सरकार की है, किसी राजनीतिक दल की नहीं। उन्होंने कहा, सरकार की ओर से हम स्पष्ट शब्दों में कह रहे हैं कि चुनाव फरवरी में पूरे हो जाएंगे।

भारत ने महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा को लेकर पाकिस्तान की आलोचना की

संयुक्त राष्ट्र, (भाषा)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में एक खुली बहस के दौरान पाकिस्तान की कड़ी आलोचना करते हुए 1971 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में महिलाओं के खिलाफ हुए यौन हिंसा के जघन्य अपराधों की ओर ध्यान आकर्षित किया और कहा कि यह सिलसिला आज भी बिना किसी दंड के जारी है। बहस के दौरान पाकिस्तानी प्रतिनिधि की ओर से लगाए गए बेबुनियाद आरोप पर मंगलवार को संक्षिप्त टिप्पणी करते हुए भारतीय राजनयिक एल्डोस मैथ्यू पुन्नूस ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा की 1971 की घटनाएं शर्मनाक रिकॉर्ड का मामला है। पुन्नूस ने संघर्ष क्षेत्रों में यौन हिंसा से बचे लोगों के लिए जीवन रक्षक सेवाओं और सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अभिनव रणनीति विषय पर खुली बहस में अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, पाकिस्तानी सेना ने 1971 में जिस तरह बेखौफ होकर पूर्वी पाकिस्तान में महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा के जघन्य अपराध किए, वह शर्मनाक है। भारतीय राजनयिक स्पष्टतः 1971 में पूर्वी पाकिस्तान (मौजूदा बांग्लादेश) में बड़े पैमाने पर हुए नरसंहार और बलात्कार की घटनाओं का उल्लेख कर रहे थे। उन्होंने कहा, यह निंदनीय प्रवृत्ति आज भी बेरोकटोक और बिना किसी दंड के जारी है। पुन्नूस ने कहा, धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ उत्पीड़न के हथियार के रूप में हजारों कमजोर महिलाओं और लड़कियों के अपहरण, तस्करी, बाल विवाह, घरेलू दासता, यौन हिंसा और जबरन धर्मांतरण की खबरें एवं विवरण हाल ही में जारी ओएचसीएचआर रिपोर्ट में भी दिए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विडंबनापूर्ण है कि जो लोग इन अपराधों को अंजाम देते हैं, वे अब न्याय के चैंपियन के रूप में मुखौटा पहन रहे हैं। भारतीय राजनयिक ने कहा, दोहरापन और पाखंड स्वयंसिद्ध है। पुन्नूस पाकिस्तान के इस आरोप का जवाब दे रहे थे कि कश्मीर में समुदायों को दंडित करने और अपमानित करने के लिए लंबे समय से यौन हिंसा का सहारा लिया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

हमारा देश दक्षिण कोरिया को कभी कूटनीतिक साझेदार के रूप में नहीं देखेगा: किम की बहन

» सियोल, भाषा।

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने कहा कि उनका देश कभी भी दक्षिण कोरिया को कूटनीतिक बातचीत के लिए एक साझेदार के रूप में नहीं देखेगा। सरकारी मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। उनके इस बयान को सियोल की ओर से संबंध सुधारने की नई कोशिशों पर ताजा टिप्पणी के रूप में देखा जा रहा है। किम जोंग उन की विदेश नीति के शीर्ष अधिकारियों में से एक किम यो जोंग ने दक्षिण कोरिया और अमेरिका के जारी सैन्य अभ्यास को हमले की तैयारी बताया और कहा कि शांति की कोशिशों के पीछे सियोल की उत्तर कोरिया के खिलाफ बुरी मंशा छिपी है। उत्तर कोरिया की सरकारी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने खबर में बताया कि उन्होंने यह टिप्पणी मंगलवार को विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक के दौरान की।

इस बैठक में उन्होंने विरोधियों से लगातार खतरों और तेजी से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच अपने भाई की कूटनीतिक रणनीतियों पर चर्चा की। इससे पहले, सोमवार को उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच जारी सैन्य अभ्यास की निंदा की, साथ ही दुश्मनों का मुकाबला करने के लिए देश की परमाणु ताकत को तेजी से बढ़ाने का संकल्प लिया था। दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने सोमवार को अपना वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास उल्ची फ्रीडम शील्ड शुरू किया। दोनों देशों का यह अभ्यास परमाणु-हथियार संपन्न उत्तर कोरिया से उत्पन्न खतरों का बेहतर ढंग से मुकाबला करने की तैयारियों का हिस्सा है। यह 11 दिवसीय अभ्यास साल में दो बार होने वाले बड़े पैमाने पर युद्धाभ्यास में से दूसरा है। इसमें 21,000 सैनिक शामिल हैं, जिनमें 18,000 दक्षिण कोरियाई हैं और इसमें कंप्यूटर-आधारित कमांड पोस्ट संचालन तथा मैदानी प्रशिक्षण शामिल हैं।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ की चीन यात्रा के दौरान सीपीईसी के दूसरे चरण की शुरुआत होगी

» इस्लामाबाद, भाषा।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की इस महीने के अंत में निर्धारित चीन यात्रा के दौरान चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के दूसरे चरण की औपचारिक शुरुआत होगी। योजना मंत्री अहसान इकबाल ने मंगलवार को सीपीईसी के दूसरे चरण की संयुक्त सहयोग समिति (जेसीसी) के आगामी सत्र और प्रधानमंत्री की निर्धारित बीजिंग यात्रा की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान इसकी आधिकारिक घोषणा की। डॉन अखबार ने मंत्री इकबाल के हवाले से कहा, प्रधानमंत्री की आगामी चीन यात्रा के दौरान सीपीईसी के दूसरे चरण की औपचारिक शुरुआत होगी, जिसमें दोनों पक्षों द्वारा स्पष्ट प्राथमिकताएं निर्धारित करने और ठोस व अपेक्षित परिणामों पर सहमत होने की उम्मीद है।

जेसीसी की बैठक अक्टूबर में होने की उम्मीद है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री शरीफ इस महीने के अंत में 31 अगस्त से एक सितंबर तक शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए बीजिंग की यात्रा करेंगे। इस शिखर सम्मेलन से इतर, शरीफ के चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी मिलने की उम्मीद है।

समीक्षा : जेलेंस्की ट्रंप की सुरक्षा गारंटी के साथ वाशिंगटन से रवाना हुए

» कैनबरा, भाषा।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की इस सप्ताह एक बार फिर व्हाइट हाउस पहुंचे, लेकिन इस बार उनके साथ यूरोपीय नेता भी थे और उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मुलाकात के बाद रूस के खिलाफ जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति समझौते को लेकर कुछ सकारात्मक संकेत मिले हैं। समझा जाता है कि यूरोपीय नेताओं की उपस्थिति से बैठक पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल में अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। यूरोपीय नेताओं को आशंका है कि ट्रंप अमेरिका को रूस की मांगों के पक्ष में ले जा सकते हैं। पिछले कुछ महीनों में ट्रंप के बयान रूसी प्रचार से प्रभावित दिखे हैं और केवल तब ही संतुलित हुए हैं जब आसपास की राजनीतिक शक्तियों ने हस्तक्षेप किया। इस संदर्भ में यूरोपीय एकता का यह प्रदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण रहा।

इस बैठक में यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी से जुड़े मसलों पर उल्लेखनीय प्रगति हुई। यह महत्वपूर्ण है कि अमेरिका अब इन सुरक्षा गारंटियों का हिस्सा होगा। कुछ समय पहले तक ट्रंप इस जिम्मेदारी को पूरी तरह यूरोप पर डाल रहे थे, इसलिए यह बदलाव सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। जेलेंस्की ने व्हाइट हाउस के बाहर यूक्रेनी पत्रकारों को दिए एक बयान में कहा कि भविष्य की व्यवस्था के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने में समय लगेगा, क्योंकि इसमें कई देश शामिल होंगे, जिनकी सहायता की क्षमताएं अलग-अलग हैं। कुछ देश आर्थिक सहायता देंगे, तो कुछ सैन्य सहयोग प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यूक्रेन की सैन्य आवश्यकताओं की पूर्ति और सहयोग भविष्य की किसी भी सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा होगा, जिसमें रणनीतिक साझेदारी, उत्पादन, और सैन्य उपकरणों की खरीद जैसे आयाम शामिल होंगे। ब्रसेल्स में एक समाचार सम्मेलन के दौरान जेलेंस्की ने कहा था कि रूस के भविष्य के हमलों से निपटने के लिए यूक्रेन की सैन्य क्षमता को मज़बूत करना एक प्राथमिकता है। खबरों के अनुसार, प्रस्तावित सुरक्षा गारंटी में यूरोपीय सहयोगियों के माध्यम से लगभग 90 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के सैन्य उपकरणों की खरीद शामिल हो सकती है।

जेलेंस्की ने यह सुझाव भी दिया कि अमेरिका भविष्य में यूक्रेन में निर्मित ड्रोन खरीद सकता है। नाटो के महासचिव मार्क रूटे ने संकेत दिया कि वार्ता में नाटो की अनुच्छेद 5 जैसी सामूहिक रक्षा गारंटी की संभावना पर भी चर्चा हुई। हालांकि, यह उल्लेखनीय है कि अनुच्छेद 5 पूर्ण सैन्य हस्तक्षेप की गारंटी नहीं देता, बल्कि सदस्य देशों को समर्थन देने या न देने की स्वतंत्रता देता है। यूक्रेन के लिए यह पर्याप्त नहीं माना जा रहा है। वर्ष 1994 में हुए बुडापेस्ट समझौते के तहत अमेरिका, ब्रिटेन और रूस ने यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता की गारंटी दी थी, लेकिन रूस ने 2014 में बिना गंभीर दंड के यूक्रेन पर आक्रमण कर दिया और 2022 में पूर्ण पैमाने पर युद्ध शुरू कर दिया। इस पृष्ठभूमि में, यूक्रेन अब सख्त और प्रभावी सुरक्षा गारंटी चाहता है। ट्रंप और पुतिन के बीच अलास्का में हुई हालिया बैठक से पहले तक माना जा रहा था कि रूस किसी भी समझौते में दिलचस्पी नहीं रखता। लेकिन अब ऐसा प्रतीत होता है कि ट्रंप द्वारा रूस की अधिकतम मांगों का समर्थन करने के बाद पुतिन को लगता है कि व्हाइट हाउस में उन्हें समर्थन मिल सकता है। ऐसे में यह आशंका बढ़ गई है कि रूस डोनबास क्षेत्र डोनेट्स्क और लुहान्स्क को हासिल करने की दिशा में बढ़ सकता है। जेलेंस्की ने स्पष्ट किया है कि वह किसी भी शांति समझौते के तहत रूसी कब्जे वाले क्षेत्रों को औपचारिक या कानूनी मान्यता नहीं देंगे। यूक्रेन का संविधान संशोधित करना और जनमत संग्रह कराना आवश्यक होगा, जो न सिर्फ जटिल है बल्कि जनभावनाओं के खिलाफ भी है। रूस द्वारा जिन क्षेत्रों डोनेट्स्क, लुहान्स्क, खेरसोन और ज़ापोरिज़्ज़िया पर आंशिक कब्ज़ा किया गया है, वे सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं और वहां यूक्रेन की सैन्य संरचनाएं मौजूद हैं। इन इलाकों को छोड़ना यूक्रेन को भविष्य में होने वाले हमलों के लिए असुरक्षित बना देगा। हालांकि कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि अगर जेलेंस्की किसी अस्थाई युद्धविराम पर सहमत भी हों, तब भी वह उन क्षेत्रों को नहीं छोड़ सकते जो अब भी यूक्रेन के नियंत्रण में हैं। हालिया गैलप सर्वेक्षण में 69 प्रतिशत यूक्रेनियों ने युद्ध के शीघ्र समाधान का समर्थन किया, जिससे यह संकेत मिलता है कि ट्रंप प्रशासन के दौरान अमेरिका को एक भरोसेमंद भागीदार नहीं माना जा रहा। यदि रूस को युद्ध के बदले कोई लाभ मिलता है, तो यह न केवल यूक्रेन, बल्कि यूरोप और पूरी दुनिया के लिए एक खतरनाक उदाहरण बन सकता है। इस्तांबुल में हुई हालिया वार्ताओं में रूसी प्रतिनिधिमंडल ने कथित तौर पर कहा, रूस हमेशा के लिए युद्ध लड़ने को तैयार है। ट्रंप और पुतिन की मुलाकातों के बावजूद इस मानसिकता में कोई बदलाव नहीं देखा गया है।

नासा के वेब टेलीस्कोप ने यूरेनस की कक्षा में एक नया लघु चंद्रमा खोजा

» न्यूयॉर्क, भाषा।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने कहा है कि उसके वेब स्पेस टेलीस्कोप ने सौरमंडल के सातवें ग्रह यूरेनस की कक्षा में एक नया, अत्यंत छोटा चंद्रमा खोजा है। नासा द्वारा मंगलवार को जारी बयान के अनुसार, यह चंद्रमा लगभग 10 किलोमीटर चौड़ा प्रतीत होता है और इसे इसी वर्ष फरवरी में वेब टेलीस्कोप के नियर इन्फ्रारेड कैमरे के माध्यम से देखा गया था। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह चंद्रमा अपनी अत्यंत क्षीण चमक और छोटे आकार के कारण अब तक छिपा रहा, यहां तक कि लगभग 40 वर्ष पहले यूरेनस के समीप से गुजरे वॉएजर-2 अंतरिक्ष यान की निगाहों से भी यह बचा रहा।

यूरेनस के अब तक 28 ज्ञात चंद्रमा हैं, जिनके नाम विलियम शेक्सपियर और अलेक्जेंडर पोप की रचनाओं के पात्रों पर रखे गए हैं। इनमें से लगभग आधे छोटे आकार के हैं और ग्रह की निकटवर्ती कक्षा में परिक्रमा करते हैं। इस नए चंद्रमा का नामकरण अभी नहीं हुआ है। हालांकि, इसका पता लगाए जाने से यूरेनस के उपग्रहों की कुल संख्या बढ़कर 29 हो गई है।

रवांडा समर्थित विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो में 140 से अधिक नागरिकों की हत्या की: रिपोर्ट

» डकार (सेनेगल), भाषा।

रवांडा सरकार समर्थित विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो की एक बस्ती में जुलाई महीने में कम से कम 140 लोगों की हत्या कर दी थी। एक मानवाधिकार संगठन ने बुधवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। मानवाधिकार निगरानीकर्ता ने स्थानीय विशेषज्ञों और चश्मदीदों के हवाले से बताया कि नॉर्थ किवू प्रांत के विरुंगा नेशनल पार्क के पास हुए हमलों के बाद 141 लोगों की मौत या लापता होने की आशंका है। इनमें ज़्यादातर हुतु समुदाय के लोग शामिल हैं।

रिपोर्ट में कहा गया कि एम23 समूह द्वारा चलाए गए सैन्य अभियान के हिस्से के तहत ए हत्याएं की गई हैं, जो पूर्वी कांगो में नियंत्रण के लिए लड़ रहे 100 से अधिक सशस्त्र समूहों में सबसे प्रमुख है तथा यह समूह डेमोक्रेटिक फोर्सेस फॉर द लिबरेशन ऑफ रवांडा (एफडीएलआर) के खिलाफ है, जो कि मुख्य रूप से हुतु सशस्त्र समूह है। वर्ष 1994 के रवांडा नरसंहार के बाद रवांडा से हुतु समुदाय के लगभग 20 लाख लोग कांगो भाग गए थे। इस नरसंहार में आठ लाख तुत्सी, उदारवादी हुतु और अन्य लोग मारे गए थे। मानवाधिकार निगरानीकर्ता की वरिष्ठ शोधकर्ता क्लेमेंटाइन डी मोंटजॉय ने कहा, एम23 सशस्त्र समूह को रवांडा सरकार का समर्थन प्राप्त है। इसने जुलाई में एक दर्जन से अधिक गांवों और कृषि क्षेत्रों पर हमला किया ।

धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक वृद्धि हुई: रिपोर्ट

अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा, हिंदू लड़कियों के जबरन धर्मांतरण में वृद्धि : पाक मानवाधिकार निकाय

» लाहौर, भाषा।

पाकिस्तान के शीर्ष मानवाधिकार संगठन ने कहा है कि पिछले वर्ष के दौरान धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक वृद्धि हुई है, साथ ही हिंदू और ईसाई लड़कियों के जबरन धर्मांतरण व नाबालिगों की शादियों की घटनाएं भी बढ़ी हैं।पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) द्वारा मंगलवार को यहां जारी की गई रिपोर्ट डर की गलियां- 202425 में धर्म या आस्था की स्वतंत्रता ने देश में अहमदियों, हिंदुओं और ईसाइयों के खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता व अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए एक बेहद चिंता जनक वर्ष का दस्तावेजीकरण किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है, धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक वृद्धि हुई है, जिसमें अहमदिया लोगों की लक्षित हत्याएं और उनके संरक्षित पूजा स्थलों को ध्वस्त करना शामिल है। एचआरसीपी ने कहा कि पंजाब और सिंध प्रांत में हिंदू और ईसाई लड़कियों का लगातार जबरन धर्मांतरण और कम उम्र में विवाह हो रहा है, जिससे बाल विवाह निरोधक कानूनों को लागू करने में व्यवस्थित विफलता उजागर होती है। निकाय ने कहा कि ईशनिंदा के आरोपी, खासकर अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की भीड़ द्वारा हत्या का चलन बढ़ गया है। इसमें कहा गया है, अब सबसे भयावह घटना ईशनिंदा के आरोपी अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की न्यायेतर हत्या की है। इसमें कहा गया है कि ईशनिंदा के आरोपी दो व्यक्तियों को पुलिस ने उस समय न्यायेतर तरीके से मार डाला जब वे उग्र भीड़ से सुरक्षा की मांग कर रहे थे। इसमें यह भी कहा गया है कि ऐसी घटनाएं कानून प्रवर्तन और जवाबदेही तंत्र में सुधार की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि बार एसोसिएशनों का झुकाव तेजी से कट्टरपंथी धार्मिक समूहों की सोच की तरफ होना चौंकाने वाला है। रिपोर्ट में कहा गया है, यह प्रवृत्ति विधि व्यवसाय की स्वतंत्रता को कमजोर करती है। रिपोर्ट में पाकिस्तान सरकार से ईशनिंदा के आरोपों में फंसाने के संबंध में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के निष्कर्षों के आधार पर एक जांच आयोग गठित करने का अनुरोध किया गया है। इसमें यह भी सुझाव दिया गया है कि अधिकारियों को उन मदरसों पर भी नजर रखनी चाहिए जो अक्सर नाबालिग लड़कियों के धर्मांतरण में शामिल रहते हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,